INS ACCREDITED
यूनिकॉम
unicomadvertising.com

प्रेरणास्रोत पूज्यनीय राजनलाल गौतम जी

सांध्य दैनिक
यूनिक समय

RNI-UPHIN/2023/85053

डीएवीपी द्वारा मान्यता प्राप्त : DAVP-: 134220
डाक पंजीकृत संख्या मथुरा 071/2026–28

Sweety BY MR GROUP Presents
Unique Samay Update
uniquesamay.com

वर्ष-4 | अंक-56 | मथुरा, बुधवार, 22 अप्रैल 2026 | पेज-12 | 5 रुपया | www.facebook.com/uniquesamay | X.com/Theuniquesamay | www.linkedin.com/in/uniquesamay

भीषण गर्मी में बिजली की 'आंख–मिचौनी'

शहर में कटौती से मचा हाहाकार

यनिक समय, मथुरा। अप्रैल की तपती दोपहरी और लगातार चढ़ते पारे के बीच जब लोगों को सबसे ज्यादा राहत की उम्मीद बिजली से होती है, उसी बिजली ने अब शहरवासियों की मुश्किलें और बढ़ा दी हैं। शहर के कई इलाकों में बार–बार हो रही बिजली कटौती ने जनजीवन को बुरी तरह प्रभावित कर दिया है।

कृष्णा नगर क्षेत्र में स्थिति सबसे गंभीर बताई जा रही है, जहां हर घंटे के भीतर कई बार बिजली गुल हो रही है। इससे न सिर्फ घरेलू कामकाज ठप हो रहे हैं, बल्कि बच्चों, बुजुर्गों और बीमार लोगों को भी भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। नानक नगर, महाविद्या कॉलोनी, गोविंद नगर, मसानी, सरस्वती कुंड, जयसिंहपुरा, विकास नगर, होली गेट और औरंगाबाद जैसे क्षेत्रों में भी बिजली की आंख–मिचौनी लगातार जारी है।

स्थानीय लोगों का कहना है कि दिन हो या रात, बिजली कभी भी अचानक चली जाती है और लंबे समय तक वापस नहीं आती। पंखे और कूलर बंद होते ही घरों के अंदर उमस और गर्मी असहनीय हो जाती है।

रात के समय स्थिति और भी खराब हो जाती है, जब गर्मी के साथ मच्छरों का आतंक लोगों की नींद हराम कर देता है। हालांकि बिजली विभाग के अधिकारियों का दावा है कि आपूर्ति सामान्य है और केवल कुछ फीडरों में मामूली तकनीकी समस्या है। कृष्णा नगर क्षेत्र के एसडीओ के अनुसार नानक नगर फीडर में थोड़ी दिक्कत है, बाकी जगह सप्लाई ठीक चल रही है। लेकिन जमीनी हकीकत विभागीय दावों से बिल्कुल अलग नजर आती है। लोग लगातार हो रही कटौती से नाराज हैं और व्यवस्था में सुधार की मांग कर रहे हैं। उनका कहना है कि जब तापमान लगातार बढ़ रहा है, ऐसे समय में बिजली संकट ने मुश्किलें दोगुनी कर दी हैं।

हर घंटे हो रही बिजली गुल, बिजली संकट से लोग परेशान

रात में उमस और मच्छरों ने नींद छीनी

नानक नगर फीडर में दिक्कत होने पर कृष्णा नगर क्षेत्र में बनी समस्या : एसडीओ

यूपी बोर्ड की परीक्षाओं का परिणाम आएगा कल

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। यूपी बोर्ड के इंटर मीडिएट और हाईस्कूल के परीक्षार्थियों के लिए आ गई अच्छी खबर। 23 अप्रैल की शाम चार बजे उनकी मेहनत का परिणाम आएगा। इस खबर के साथ जिले के कई हजार विद्यार्थियों की मेहनत पर अंक मिलेंगे। इन अंकों के सहारे ही वह अपने भविष्य को आगे ले जाने की तैयारी करेंगे।

आज उत्तर प्रदेश माध्यमिक परिषद की ओर से ऐलान कर दिया गया है कि 23 अप्रैल को शाम चार बजे इंटर मीडिएट और हाईस्कूल की परीक्षा का परिणाम घोषित कर दिया जाएगा। इस खबर के आते ही जिले भर से कई विद्यार्थियों ने यूनिक समय के कार्यालय में संपर्क करके परीक्षा परिणाम के बारे में जानकारी की। सभी को यह मालूम था कि यूनिक समय कार्यालय से सटीक जानकारी मिल सकती है।

इंटर मीडिएट और हाईस्कूल के विद्यार्थियों को अच्छे अंक आने की उम्मीद

जिले के शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों के विद्यार्थियों का कहना है कि परीक्षा परिणाम आने के बाद ही भविष्य के नए रास्ते खुलेंगे। हर माता–पिता को यह उम्मीद है कि उनका लाड़ला और लाड़ली अच्छे नंबरों से पास हो। अब सिर्फ कल शाम चार बजे तक का इंतजार किया जा रहा है। गौरतलब है कि मथुरा से इस वर्ष हाईस्कूल की परीक्षा में 35,238 छात्र–छात्राओं एवं इंटरमीडिएट में 35,680 परीक्षार्थी शामिल हुए थे।

वृंदावन और मथुरा में यमुना के प्रदूषण की स्थिति गंभीर

यूनिक समय, मथुरा। नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल (एनजीटी) ने जल संसाधन मंत्रालय, उत्तर प्रदेश सरकार, मथुरा–वृंदावन नगर निगम, मथुरा–वृंदावन विकास प्राधिकरण, ब्रज तीर्थ विकास परिषद, उत्तर प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड तथा नेशनल मिशन फॉर क्लीन गंगा को नोटिस जारी किए हैं। ये नोटिस एक याचिका पर जारी किए गए हैं। इसमें वृंदावन और मथुरा जैसे पवित्र नगरों में यमुना में लगातार और अनियंत्रित रूप से सीवेज और औद्योगिक अपशिष्ट के प्रवाह तथा नदी के बाढ़ क्षेत्र में बड़े पैमाने पर हो रहे अवैध और अनधिकृत निर्माणों का मुद्दा उठाया गया है। ब्रज वृन्दावन देवालय समिति के संयुक्त सचिव याचिका कर्ता एवं श्री राधा मदन मोहन मंदिर के प्रधान सेवायत विजय किशोर गोस्वामी, ने 17 दिसंबर 21 के आदेश के अनुपालन के लिए निष्पादन याचिका दायर की। इस आदेश में मुख्य सचिव और अन्य संबंधित अधिकारियों को सीवेज उपचार व्यवस्था को सुधारने, अतिक्रमण हटाने और नदी की सुरक्षा के लिए पौधारोपण करने के निर्देश दिए गए थे। याचिकाकर्ता की ओर से अधिवक्ता आकाश वशिष्ठ, शुभम उपाध्याय और अनुकृति बाजपेयी पेश हुए। विजय किशोर गोस्वामी की ओर से बहस करते हुए अधिवक्ता आकाश वशिष्ठ ने न्यायालय को बताया कि यमुना अब भी सीपीसीबीके "डिजाइनेटेड बेस्ट यूज क्राइटेरिया" के अनुसार श्रेणी 'डी' में बनी हुई है, जिसका अर्थ है कि नदी का जल स्नान, पेय या घरेलू उपयोग के लिए पूरी तरह अनुपयुक्त है। उन्होंने आगे कहा, "न्यायालय के स्पष्ट निर्देशों के बावजूद यमुना के किनारे अवैध निर्माण लगातार हो रहे हैं। प्रतिदिन हजारों लोग यमुना पर जाते हैं और उनमें से कई लोग इसी प्रदूषित जल से आचमन भी करते हैं।" उन्होंने इस समस्या को अत्यंत गंभीर बताते हुए कहा कि जमीनी स्तर पर स्थिति बेहद चिंताजनक है।

एनजीटी ने कई संस्थानों को जारी किए नोटिस

यमुना तट पर अवैध निर्माणों पर भी संज्ञान

पश्चिम बंगाल के विधानसभा चुनाव सरकार बनाने में निर्णायक बनेंगे मथुरा से गए वोटर

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। लोकसभा चुनाव हो या विधानसभा। स्थानीय निकाय का चुनाव हो ग्राम पंचायत का। सभी चुनावों में एक–एक वोट की कितनी अहमियत होती है। इस सवाल का जवाब पूछना है तो राजनैतिक दलों के सलाहकारों से पूछिए, जो चुनाव में एक–एक वोट पाने की रणनीति बनाते हैं।

इस समय पश्चिम बंगाल विधानसभा 2026 का चुनाव मथुरा में भी चर्चा का विषय हुआ है। यहां दो चरणों में मतदान होगा। पहले 23 अप्रैल और दूसरा चरण 29 अप्रैल को वोट डाले जाएंगे। दोनों चरणों में मतदान करने के लिए मथुरा जिले के विभिन्न क्षेत्रों में रहने वाले बंगाली महिला और पुरुष वोटर अपने–अपने मताधिकार का प्रयोग करने के लिए पश्चिम बंगाल पहुंच गए हैं। वह भाजपा या फिर टीएमसी की सरकार बनाने के लिए मददगार होंगे। गौरतलब है कि मथुरा जिले के मथुरा, वृंदावन, गोवर्धन और राधाकुंड में बड़ी संख्या में बंगाली समाज के परिवार के रहते हैं। बंगाली समाज की महिलाएं अधिकांश घरों में नौकरी कर अपना पालन पोषण करती है तो बच्चे अन्य दूसरा काम करते हैं। चुनाव के वक्त पश्चिम बंगाल से आए एक संदेश के बाद बंगाली समाज के यहां रहने वाले मतदाता सभी कामकाज छोड़कर वोट डालने के लिए पश्चिम बंगाल की ओर रवाना हो गए हैं। आज की स्थिति यह है कि अधिकांश काम करने वाली बंगाली महिलाएं न आने से लोग परेशानी में पड़ गए हैं। अब बहुत से काम खुद ही करने पड़ रहे हैं। कई लोगों के मन में यह प्रश्न कौंध रहा है कि इनमें से अधिकांश लोग यूपी की वोटर सूची में शामिल हैं तो पश्चिम बंगाल की मतदाता सूची क्यों हैं। यदि ऐसे लोगों की जांच कराई जाए तो एक बड़े मामले का भंडाफोड़ हो सकता है। वृंदावन के एक जागरूक व्यक्ति ने फेसबुक पर लिखा है कि उसके घर पर बंगाली महिला ने फलां तारीखों पर छुट्टी मांगी तो माथा ठनका। पूछा कहां जा रही हैं तो जवाब मिला अपने घर पश्चिम बंगाल में वोट डालने। कहा कि दीदी उनका बहुत ख्याल रखती है। आपकी पार्टी ने हमको क्या दिया है। वृद्ध महिला के उत्तर को सुनकर सभी लोग सन्न रह गए।

मथुरा, वृंदावन, गोवर्धन, राधाकुंड से बंगाली समाज के लोग वोट डालने गए

दुकान और घरों में काम करने वाले भी शामिल

अनदेखी **मटके का पानी सेहतमंद, लेकिन सावधानी बेहद जरूरी**

पुराना मटका बना सकता है पानी को खतरनाक

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। मटके का पानी आयुर्वेद में अमृत समान बताया गया है, लेकिन इसके नियम फॉलो नहीं करने पर ये नुकसानदेह भी है। कई आयुर्वेदिक चिकित्सकों का कहना है कि थोड़ी अनदेखी से मटके का पानी नुकसान हो सकता है।

गर्मी के दिनों में मटके का पानी पीना हेल्दी माना जाता है। हालांकि, फ्रिज के ठंडे पानी की तुलना में ये अधिक स्वास्थ्यवर्धक भी है, लेकिन इसके कुछ नकुसान भी हैं। एक वैद्य ने बताया कि मटके का पानी पीने वालों को क्या ध्यान रखना चाहिए?

पानी को एक या दो दिन से ज्यादा स्टोर न करें। सबसे अच्छा नियम यह है कि सुबह का भरा पानी शाम तक और शाम का भरा पानी सुबह तक पिएं। एक मटके को एक ही सीजन तक इस्तेमाल करें। अगले सीजन में नया मटका लें। पुराने मटके को रखने के बाद उसमें

खतरनाक कीड़े पनप जाते हैं। इसलिए, बदल देना सबसे बेहतर होता है। कई लोग जब तक मटका फूटता नहीं तब तक नहीं बदलते। इससे उनको फायदे की बजाय नुकसान हो सकता है। अगर मटका बहुत पुराना है तो उसके छिद्र बंद हो जाते हैं, जिससे वह पानी को सही तरह से साफ और ठंडा नहीं कर पाता।

पुराने मटके का पानी पीने से (डायरिया), गले में संक्रमण और पेट की अन्य बीमारियां हो सकती हैं। जिन लोगों को बार–बार सर्दी, खांसी या गले में खराश रहती है उन्हें मटके के ठंडे पानी से बचना चाहिए। साथ ही पेट की बीमारी और साइनस के मरीजों को भी बचना चाहिए। मटके को हर दिन या कम से कम हर दूसरे दिन अच्छी तरह साफ करें, अन्यथा इसमें बैक्टीरिया, काई और शैवाल जम सकते हैं। मटके का पानी पीने वाले यह भी ध्यान रखें। मटके के अंदर हाथ डालकर पानी कभी न निकालें। धूल–मिट्टी या कीड़ों से बचाने के लिए मटके को हमेशा ढक्कन से ढक कर रखें। सप्ताह में एक बार मटके को खाली करके कुछ देर धूप में जरूर सुखाएं, इससे कीटाणु मर जाते हैं। आयुर्वेदिक चिकित्सक का कहना है कि यदि इन सुरक्षा नियमों का पालन किया जाए तो मटके का पानी प्राकृतिक, स्वादिष्ट और स्वास्थ्यवर्धक बना रहता है। इसलिए, मटके के पानी को लेकर कोई लापरवाही न बरतें।

वहीं बस स्टैंड या सड़क किनारे मटके से पानी पीना खतरनाक हो सकता है! अक्सर हम मटके के पानी को हेल्दी मानकर पी लेते हैं। जबकि, सबसे पहले ये चेक करें कि मटके का पानी कहां रखा हुआ है, उसकी साफ–सफाई कैसी है आदि–इत्यादि। हालांकि, सार्वजनिक स्थान पर साफ–सफाई कम ही होती है इसलिए पीने से पहले पानी चेक कर लें। अगर आसपास गंदगी है, मटके में कीड़े हैं तो ना पिएं।

लापरवाही बनी बीमारी की वजह, बढ़ सकता है संक्रमण

साफ–सफाई और सही उपयोग से ही मिलेगा पूरा लाभ

भीषण गर्मी में यात्रियों की पसंद बनी एसी बसें

यूनिक समय, मथुरा। जैसे-जैसे अप्रैल माह बीत रहा है पचंड गर्मी सभी रिकॉर्ड तोड़ रही है, दिन–ब–दिन तापमान बढ़ रहा है और इसका असर लोगों की रोजमर्रा की जिंदगी पर भी दिखने लगा है। खासतौर पर यात्रा करने वाले लोग अब गर्मी से बचने के लिए अपनी पसंद बदल रहे हैं।

कुछ दिन पहले तक ज्यादातर लोग साधारण बसों में सफर करते थे, लेकिन अब गर्मी बढ़ने के साथ ही यात्री एसी बसों में यात्रा करना ज्यादा पसंद कर रहे हैं। मथुरा से दिल्ली, मथुरा से आगरा और मथुरा से बरसाना

सहित कई रूटों पर एसी बसों में यात्रियों की संख्या लगातार बढ़ रही है।

बस स्टैंड पर सुबह से ही एसी बसों को यात्री खोजते दिखते हैं। यात्रियों का कहना है कि गर्मी में बिना एसी के सफर करना मुश्किल हो गया है। ऐसे में एसी बसों में सफर करने से उन्हें राहत मिलती है और यात्रा आसान हो जाती है।

यात्री एसी बसों में महसूस कर रहे हैं सुहाना सफर

सुविधा के आगे किराया नहीं देख रहे लोग

अब लोग किराए से ज्यादा अपनी सुविधा को महत्व दे रहे हैं। पहले जहां ज्यादा किराया होने की वजह से लोग एसी बसों से बचते थे, वहीं अब गर्मी के कारण वे बिना सोचे–समझे एसी बसों में सफर कर रहे हैं। मथुरा–दिल्ली और मथुरा–आगरा रूट पर नौकरीपेशा लोग, पर्यटक और श्रद्धालु अधिक संख्या में सफर करते हैं। ये सभी अब गर्मी से बचने के लिए एसी बसों को प्राथमिकता दे रहे हैं। गर्मी के बढ़ते असर ने यात्रियों की सोच बदल दी है। अब लोग आरामदायक सफर के लिए एसी बसों को ही बेहतर विकल्प मान रहे हैं।

नारी सम्मान पर सियासी संग्राम में भाजपा का प्रदर्शन

मथुरा में विपक्षी दलों के विरोध में प्रदर्शन करते भाजपाई।

यूनिक समय, मथुरा। भारतीय जनता पार्टी महानगर इकाई ने लोकसभा में नारी शक्ति वंदन अधिनियम पारित न होने पर कांग्रेस, समाजवादी पार्टी सहित विपक्षी दलों के खिलाफ मोर्चा खोल दिया।बुधवार को भाजपा महानगर अध्यक्ष हरिशंकर राजू यादव के नेतृत्व में महिला एवं युवा मोर्चा के कार्यकर्ताओं ने कंकाली रोड स्थित बीएसए कॉलेज के मुख्य द्वार पर एकत्र होकर जोरदार विरोध प्रदर्शन किया। कार्यकर्ताओं ने कांग्रेस के खिलाफ नारेबाजी कर पुतला फूंका।

महिला मोर्चा महानगर अध्यक्ष पूजा चौधरी ने कहा कि कांग्रेस का इतिहास महिलाओं के सशक्तिकरण के विरोध

कांग्रेस, सपा समेत विपक्षी दलों को कोसा

से जुड़ा रहा है। महानगर अध्यक्ष हरिशंकर राजू यादव ने कहा कि इस अधिनियम के तहत लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण देने का प्रावधान था, लेकिन विपक्ष ने सुनियोजित रणनीति के तहत इसे पारित नहीं होने दिया। उन्होंने विश्वास जताया कि देश की महिलाएं इसका उचित जवाब देंगी और नारी शक्ति को कमतर आंकने की राजनीति अब सफल नहीं होगी।

भारतीय जनता युवा मोर्चा महानगर अध्यक्ष यज्ञ दत्त कौशिक ने कहा कि अधिनियम का विरोध कर विपक्ष ने स्पष्ट कर दिया है कि वह महिलाओं को उनका अधिकार देने के पक्ष में नहीं है। कार्यक्रम में महानगर मीडिया प्रभारी श्याम शर्मा, प्रदेश युवा मोर्चा मंत्री पवन हिंडोल, महानगर मंत्री इंजीनियर कल्पना गर्ग, पूर्व पार्षद माधुरी सिंह, पूनम गौर, पूजा सैनी, आरती चतुर्वेदी, सुनीता शर्मा, कृष्णा चौधरी, नीलम चौधरी, हेमा सिंह, मनीषा, उमा दीक्षित, मंजू, निशा, नंदनी, प्रदेश मंत्री जिला महामंत्री युवा मोर्चा यतेंद्र फौजदार, सुमित शर्मा, पार्षद कुलदीप पाठक, मुनेश दीक्षित, गौरव भारद्वाज, अंकुर देवा प्रधान, आदि शामिल हुए।

सख्ती के बाद आज भी बिना फिटनेस दौड़ रहीं स्कूल बसें

यूनिक समय, मथुरा। जिले में स्कूली बच्चों की सुरक्षा को लेकर आज भी ऐसी स्कूली बसें पोर्टल पर बिना फिटनेस के हैं। परिवहन विभाग की कार्रवाई के बाद भी स्कूली बसें बिना फिटनेस के सड़कों पर दौड़ रही हैं, जिससे हादसे का खतरा बना हुआ है। अभियान की शुरुआत में करीब 170 स्कूली बसें बिना फिटनेस के पोटल पर चढ़ी हुई थीं। विभाग ने इन पर कार्रवाई की, लेकिन इसके बाद भी स्थिति पूरी तरह ठीक नहीं हुई। अभी भी लगभग 120 बसें ऐसी हैं जो या तो स्कूलों में खड़ी हैं या चालान के डर से सड़कों पर नहीं उतर रहीं।

पहले 170 के करीब बसें मिली थीं अनफिट

अब भी करीब 120 बसें खड़ी या चोरी–छिपे चल रही हैं

इसके बावजूद कुछ बस संचालक नियमों को नजरअंदाज कर रहे हैं और बिना फिटनेस के ही बसें चला रहे हैं। यह सीधा–सीधा बच्चों की सुरक्षा से खिलवाड़ है। फिटनेस सर्टिफिकेट से यह तय होता है कि बस सही हालत में हैं और उसमें कोई तकनीकी खराबी नहीं है। परिवहन विभाग का कहना है कि जिन बस मालिकों ने फिटनेस के लिए आवेदन किया है, उन्हें जरूरी दस्तावेज अपलोड करने के साथ शपथ पत्र भी देना होगा। इसके बाद ही बसों को चलाने की अनुमति मिलेगी। नियम तोड़ने वालों पर सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

बच्चों की सुरक्षा सबसे जरूरी है और इसमें किसी भी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं होनी चाहिए। अब सवाल यह है कि जब कार्रवाई हो रही है, फिर भी बिना फिटनेस बसें कैसे चल रही हैं।

किशोरी को भगा ले जाना वाला गिरफ्तार, किशोरी बरामद

यूनिक समय, मथुरा। गोविंदनगर पुलिस ने एक युवक को किशोरी को भागा ले जाने के मामले में गिरफ्तार कर अपहृत किशोरी को बरामद कर लिया है। जयसिंहपुरा निवासी युवक साहिल पुत्र शाकिर एक किशोरी को बहला–फुसला कर भगा ले गया था। इस मामले में थाना गोविंदनगर में रिपोर्ट दर्ज कराई गई थी। पुलिस ने दबिश देकर साहिल को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से अपहृत किशोरी को सकुशल बरामद कर लिया। वहीं पुलिस ने आरापी युवक को गिरफ्तार कर लिया है।

पत्नी से झगड़ कर बाहर सो रहे वृद्ध का शव मिला

यूनिक समय मथुरा। थाना मगोर्रा के उंचागांव में एक वृद्ध का शव पड़ा मिलने से गांव में दहशत फैल गई। परिवार के लोगों ने वृद्ध की हत्या किए जाने का आरोप लगाया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

बताया गया कि उंचागांव निवासी वृद्ध बोहरे लाल (65)

पत्नी ने रात में पति को न पाकर कराई थी तलाश

पति पर लगाया हत्या का आरोप

का मंगलवार की शाम को पत्नी से किसी बात को लेकर विवाद हो गया। पत्नी से नाराज होकर बोहरे लाल घर के बाहर चारपाई बिछा कर सो गए। देर रात को पत्नी जब पति को देखने के लिए बाहर आई तो पति को चारपाई पर न पाकर परेशान होगई। परिवार के लोगों को इस बारे में बताया तो परिवार के लोग उन्हें तलाश करने लगे, लेकिन उनका कुछ पता नहीं लगा। प्रातः सात बजे बोहरले लाल का शव घर के पीछे पड़ा मिला। गले पर निशान होने के साथ–साथ हाथ भी कटा हुआ था। वृद्ध के शव को देख गांव में सनसनी फैल गई। पुलिस को भी इस बारे में सूचना दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव का पंचनामा करने के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मृतक की पत्नी का आरोप है कि उसके परिवार के लोगों ने ही हत्या की है। इस मामले में अभी तहरीर नहीं दी गई है।

जीएलए विश्वविद्यालय एवं वृंदावन शोध संस्थान की पहल

महाकवि सूरदास के जन्मोत्सव पर ब्रजभाषा कवि सम्मेलन

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, वृंदावन। वृन्दावन शोध संस्थान में महाकवि सूरदास के 548 वें जन्मोत्सव पर जीएलए विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में ब्रजभाषा कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया।

कवि अशोक अज्ञ ने सरस्वती वंदना से कार्यक्रम का शुभारंभ किया। परासौली से आए कवि गोपाल प्रसाद उपाध्याय 'गोप' ने 'हम है चाकर राधारानी के...' पद सुनाकर सभी को मंत्रमुग्ध किया। कवियित्री डॉ. नीतू गोस्वामी ने 'सूर बाबा बड़ौ निरालौ है, ब्रज कूँ उर में तेने धारो है ...' काव्य पाठ किया। डॉ. रेणु उपाध्याय ने 'है धन्य धन्य तू धन्य न लागे तो सी काऊ अन्य...' पद को सुनाकर मन गदगद

वृंदावन शोध संस्थान में आयोजित ब्रजभाषा कवि सम्मेलन में वक्ता।

कर दिया। गोपालकृष्ण दुबे ने 'प्रेम भक्ति सगुण की सरस प्रतिष्ठा सारि सूर कवि...' सुनाकर श्रोताओं का मन जीत लिया। वृन्दावन के कवि अशोक 'अज्ञ' ने 'जाके अँगना हरि खेलत है ब्रज में ऐसे कवि सूर भये...' का पाठ कर सूरदास जी को श्रद्धांजलि अर्पित की। कवि मोहनलाल 'मोही' ने 'देश विदेशन सुमन सुगंधित साजै बंगला अनुपम...' के माध्यम में ग्रीष्मकालीन बंगला परंपरा का दृश्य उपस्थित कर दिया। डॉ. ब्रजभूषण चतुर्वेदी ने 'मुनि जोगी जती जो न देख सके, वह सूर के नैंन निहार आए...' काव्य पाठ कर श्रोताओं को झूमने पर मजबूर कर दिया। कवियत्री रेखारानी ने 'सूर ने मदनगोपाल रिझायौ...' काव्य पाठ किया। कवि सम्मेलन के अध्यक्ष श्याम सुंदर 'अकिंचन' के 'सूरा सौं धन पांय कैं, धरती भई निहाल...' काव्य पाठ से कवि सम्मेलन का समापन हुआ। कीर्तिनिया भगवान दास ने श्रीनाथ जी की वंदना से मंगलाचरण किया गया। कवियों का स्वागत संस्थान के निदेशक डॉ. राजीव द्विवेदी एवं प्रशासनाधिकारी रजत शुक्ला ने पटुका उढाकर किया गया। कार्यक्रम समन्वय डॉ. करूणेश उपाध्याय एवं रेखारानी ने किया। संचालन डॉ. ब्रजभूषण चतुर्वेदी ने किया।

तापमान / मौसम

43 डिग्री सेल्सियस अधिकतम

26 डिग्री सेल्सियस न्यूनतम

सोना–चांदी भाव

सोना
24 कैरेट 1,54,900
22 कैरेट 1,42,000
(रेट प्रति 10 ग्राम में, जीएसटी समेत)

चांदी
2,65,000 प्रति किलो

आपातकालीन सेवाएं

112	-आपातकालीन सेवा
1962	- रेलवे हेल्पलाइन
100	- पुलिस
108	- एंबुलेंस (स्वास्थ्य सेवा)
102	- एंबुलेंस (मातृ एवं शिशु सेवा)
101	- अग्निशमन (फायर ब्रिगेड)
1090	- महिला हेल्पलाइन
1091	- महिला पुलिस सहायता
1098	- चाइल्ड हेल्पलाइन
104	- स्वास्थ्य सलाह सेवा
1076	- मुख्यमंत्री हेल्पलाइन
1033	- राष्ट्रीय राजमार्ग आपात सेवा
1073	- सड़क दुर्घटना आपात सहायता

बिजली शिकायत

1912- (बिजली कटौती, फॉल्ट, लो वोल्टेज, बिल से जुड़ी शिकायतें)
वाट्सऐपः 8010957826

नगर निगम

1533 - नगर निगम संपूर्ण शिकायत हेल्पलाइन
14420 – सीवर सफाई के लिए
18003094747- टोल–फ्री हेल्पलाइन (कॉमन सिटी शिकायत)
0565-2503632 - नगर निगम कार्यालय फोन (नियमित शिकायत)

यूनिक समय
स्वामी पवन गौतम के लिए राजकुमार गौतम द्वारा दैनिक यूनिक समय, 6 शंकर विहार, कृष्णा नगर मथुरा 281004 से प्रकाशित एवं बालाजी ऑफसेट प्रिंटिंग प्रेस कृष्णा नगर, मथुरा से मुद्रित।
कार्यालयः- यूनिक बिल्डिंग, 289-290 डायबिल नगर, कृष्णा नगर चौक, मथुरा।
संपादक-पवन गौतम
फोन नंबर-0565-2420150,
मो. 9837155888
E-mail : uniquesamaynews@gmail.com
website : uniquesamay.com
RNI-UPHIN/2023/85053
DAVP-: 134220
डाक पंजीकृत संख्या मथुरा 071/2026–28
सभी विवादों का न्यायालय स्थान मथुरा होगा।

पुलिस व स्वाट टीम की हत्या आरोपियों से मुठभेड़

पुलिस की गोली लगने से दो अभियुक्त घायल

यूनिक समय, मथुरा। बल्देव पुलिस और स्वाट टीम ने संयुक्त रूप से मुठभेड़ कर महिला की हत्या करके यमुना एक्सप्रेस वे पर फैंकने वाले दो अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है। पुलिस और बदमाशों के बीच हुई गोलीबारी में दोनों बदमाश गोली लगने से घायल हो गए। पुलिस ने घायल बदमाशों को अस्पताल में भर्ती कराया है।

एसपीआरए ने बताया कि 13 अप्रैल को थाना बल्देव क्षेत्र स्थित यमुना एक्सप्रेस वे के माइल स्टोन संख्या 130.8 पर नोएडा आगरा पर एक 26 वर्षीय अज्ञात युवती का शव पड़ा मिला था। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराने के बाद युवती की हत्या करने वालों की तलाश शुरू की। युवती की शिनाख्त निकिता निवासी खैस बनुआ थाना गौरीगंज जिला देवरिया के रूप में हुई। महिला की गला

मुठभेड़ में घायल हुए बदमाशों को ले जाती पुलिस।

दबाकर हत्या करने के बाद शव को यहा फैंका गया था। बीती रात बल्देव पुलिस और स्वाट टीम संयुक्त रूप से गांव छौली की पुलिय पर चेकिंग कर रही थी। इसी बीच पुलिस को इस तरह की सूचना मिली की युवती कि हत्या कर शव को फैंकने वाले अभियुक्त ओरा (हुंडई) कार से रैपुरा जाट से कासिमपुर अंडर पास की ओर आ रहे हैं। पुलिस और स्वाट टीम ने चेकिंग को तेज कर दी। पुलिस टीम ने उत्तरी बाईपास कंजौली घाट अंडरपास कच्ची सर्विस रोड पर वहां से गुजरती कार को रोकने का प्रयास किया। कार सवारों ने पुलिस को देखते ही फायरिंग कर दी। पुलिस ने भी जवाबी कार्रवाई की।

यमुना एक्सप्रेस वे पर हत्या कर फैंकी थी युवती की लाश

हत्या में प्रयुक्त कार तमंचा कारतूस आदि मिले

पुलिस की गोली कार सवार बदमाशों के पैरों में लगीं। इसके बाद पुलिस ने ब्रजेश कुमार निवासी नगला रमी थाना अछलंदा जनपद औरैया व विकास निवासी गपचिया उसराहार जनपद इटावा दबोच लिया। पुलिस ने घायल अभियुक्तों को इलाज के लिए सरकारी अस्पातल में भर्ती कराया है। पुलिस को इनके कब्जे से दो तमंचा और कारतूस घटना में प्रयुक्त की गई कार से मरने वाली युवती का आधार कार्ड पेन कार्ड व पेचकस बरामद हुए हैं।

ट्रेनों में मोबाइल चोरी करने वाले दो शातिर युवक गिरफ्तार

यूनिक समय,मथुरा। राजकीय रेलवे पुलिस ने मथुरा जंक्शन के प्लेटफार्म संख्या आठ के आगरा एंड से झाड़ियों के निकट से दो मोबाइल चोरों को गिरफ्तार कर चोरी के चार मोबाइल बरामद किये हैं।

जीआरपी थाना प्रभारी निरीक्षक जितेंद्र सिंह ने बताया कि उप निरीक्षक ने बताया कि वरिष्ठ उप निरीक्षक ललित भाटी, वरिष्ठ उप निरीक्षक सुजीत चंदेल आरपीएफ, उप निरीक्ष अमित कुमार, अर्जुन सिंह, गौरव माल्या पुलिस और आरपीएफ के जवानों के साथ चेकिंग और गश्त कर रहे थे।

गश्ती दल मथुरा जक्शन के प्लेट फार्म संख्या आठ पर आगरा एंड की ओर पहुंचा। वहां उन्हें दो अभियुक्त

चोरी किए गए चार मोबाइल बरामद

झाड़ियों के समीप दिखाई दिए। गश्ती दल ने दोनों अभियुक्तों को पूछताछ के लिए हिरासत में लिया। तलाशी के दौरान उनके कब्जे से पुलिस को चार मोबाइल मिले।

पुछताछ में दोनों अभियुक्तों ने बरामद मोबाइलों के बारे में ट्रेन से चोरी करना बताया।

गिरफ्तार अभियुक्तों में नेहना उर्फ ब्रजेश शर्मा निवासी नरौली जुन्नारदार थाना बल्देव व अमित राणा उर्फ गोट निवासी पूरन बिहार कालोनी औढेला रोड थाना निहाल गंज जिला धौलपुर राजस्थान हैं।

नौ करोड़ की धोखाधड़ी मामले में अभियुक्त की जमानत खारिज

यूनिक समय, मथुरा। जिला एंव सत्र न्यायाधीश विकास कुमार ने फर्जी फर्मों के माध्यम से जीएसटी की नौ करोड़ की धोखाधड़ी करने के मामले में अभियुक्त द्वारा दी गई जमानत की अर्जी को खारिज कर दिया।

जिला शासकीय अधिवक्ता शिवराम सिंह तर्कर ने बताया कि अभियुक्त नागेश गौतम ने सह अभियुक्त के साथ मिलकर कूटरचित प्रपत्रों के आधार पर फर्म बनाकर वास्तविक माल की आपूर्ति किए बिना आईटीसी पास करते हुए भारत सरकार और उत्तर प्रदेश सरकार एवं उत्तर प्रदेश सरकार को राजस्व की पहुंचाने और कूटरचित प्रपत्रों के आधार पर रेट एग्रीमेंट व आधारकार्ड जैसे प्रपत्र तैयार

कूटरचित प्रपत्रों से बनाई थी कई फर्म

फर्मों से माल की भी आपूर्ति नहीं की

कर उनके आधार पर जीएसटी के अंदर पंजीयन कराने के बाद नौ करोड़ की कर चोरी के आरोप में जिला कारागार में निरुद्ध नागेश गौतम ने अपने को इस मामले में निर्दोश बताते हुए वकील के माध्यम से जिला जज की अदालत में जमानत के लिए प्रार्थना पत्र दिया था। न्यायाधीश ने जमानत पर सुनवाई करते हुए नागेश गौतम की जमानत खारिज कर दी।

किशोरी ने फंदा लगाकर की आत्महत्या

यूनिक समय, मथुरा। थाना गोविंदनगर के अर्जुनपुरा इलाके में एक किशोरी ने फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। वहीं पुलिस ने शव का पंचनामा करने के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। साथ ही घटना की जांच शुरू कर दी है। पुलिस ने बताया कि अर्जुनपुरा निवासी किशोरी कनीसा उर्फ तन्नू (20) ने घर पर फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। परिवार के लोगों ने जब कनीसा उर्फ तन्नू को फंदे पर झूलता देखा तो उनके होश उढ़ गए। कुछ ही देर में आसपास के लोग एकत्र हो गये। वहीं लोगों ने पुलिस को घटना की सूचना दे दी। जानकारी मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने शव का पंचनामा करने के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेजा।

चुनाव ड्यूटी कर्मियों ने उठाई मानदेय की मांग

एसडीएम मांट को ज्ञापन सौंपते निर्वाचन कर्मी।

यूनिक समय, मांट (मथुरा)। उत्तर प्रदेश निर्वाचन कर्मचारी वेलफेयर समिति द्वारा निर्वाचन ड्यूटी से जुड़े कर्मचारियों के मानदेय और उपार्जित अवकाश की मांग को लेकर ज्ञापन अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में समिति के पदाधिकारियों ने उपजिलाधिकारी (एसडीएम) मांट दीपिका मेहर से मुलाकात कर अपनी समस्याओं से अवगत कराया और ज्ञापन सौंपा। कर्मचारियों ने बताया कि वे कठिन और विषम परिस्थितियों में निर्वाचन कार्यों को सफलतापूर्वक संपन्न कराते हैं, लेकिन उन्हें मिलने वाले विशेष मानदेय और अवकाश के

निर्वाचन कर्मियों ने एसडीएम मांट को सौंपा ज्ञापन

भुगतान में लगातार देरी हो रही है। इससे कर्मचारियों में असंतोष व्याप्त है। ज्ञापन सौंपने वालों में बीएलओ संगठन के अध्यक्ष अनुपम शर्मा, वरिष्ठ उपाध्यक्ष मनोज कुमार रावत, मुरारीलाल उपाध्याय, प्रेम किशोर शर्मा, सत्येंद्र सारस्वत, पंकज शर्मा, ब्रजराज सारस्वत, रविंद्र मीणा, अमित गोस्वामी, विवेक कुमार, रवि शंकर शर्मा, धर्मेंद्र कुमार, अमर सिंह, आशुतोष उपाध्याय, बलवीर सिंह और विरेंद्र सिंह प्रमुख रूप से शामिल रहे।

लव जिहाद और धर्मांतरण को लेकर हनुमान दल ने डीएम को सौंपा ज्ञापन

यूनिक समय, मथुरा। देश में बढ़ रही लव जिहाद एलं धर्मांतरण की घटनाओं को लेकर राष्ट्रीय हनुमान के राष्ट्रीय अध्यक्ष रोहित सिंह के आह्वान पर कार्यकर्ताओं ने विरोध प्रदर्शन कर राष्ट्रपति के नाम एक ज्ञापन जिलाधिकारी को सौपा।

ज्ञापन में कहा गया है कि राष्ट्रविरोधी शक्तियों द्वारा हिन्दू समाज की महिलाओं व युवतियों को धर्मांतरण एवं लव जिहाद में फंसाकर उनका मानसिक शोषण किया जा रहा है। कार्यकर्ताओं ने राष्ट्रपति से लव जिहाद के खिलाफ एक कानून बनाने की मांग की है।

इस मौके पर प्रदेश अध्यक्ष डॉ. नरेंद्र रावत, जिलाध्यक्ष देवेंद्र चौधरी, संजय तिवारी, टीकाराम शर्मा, रामप्रकाश शर्मा एवं हरिओम चौधरी आदि मौजूद थे।

श्रीकृष्ण जन्मभूमि परिसर में फायर मॉक ड्रिल

आपात स्थिति से निपटने की परखी गई तैयारी

सिटी रिपोर्टर

यूनिक समय, मथुरा। जिले में सुरक्षा व्यवस्थाओं को और सुदृढ़ करने के उद्देश्य से श्रीकृष्ण जन्मभूमि परिसर में व्यापक फायर मॉक ड्रिल का आयोजन किया गया। यह अभ्यास एसएसपी के निर्देशन में अपर पुलिस अधीक्षक (सुरक्षा) और मुख्य अग्निशमन अधिकारी की देखरेख में हुआ।

मॉक ड्रिल के दौरान परिसर में उपलब्ध अग्नि सुरक्षा संसाधनों की जांच और परीक्षण किया गया। अधिकारियों ने मौके पर उपस्थित टीमों को आपातकालीन स्थिति में त्वरित और प्रभावी कार्रवाई के तरीकों का अभ्यास कराया। इस दौरान आग लगने की काल्पनिक स्थिति तैयार कर बचाव, नियंत्रण और राहत कार्यों का समन्वित प्रदर्शन किया गया।

श्रीकृष्ण जन्मभूमि में आग पर काबू पाने का अभ्यास करती टीम।

अभ्यास में अग्निशमन विभाग, पुलिस विभाग, रेडियो विभाग के साथ–साथ श्रीकृष्ण जन्मभूमि ट्रस्ट के प्रतिनिधियों ने सक्रिय भागीदारी निभाई। मॉक ड्रिल का मुख्य उद्देश्य यह सुनिश्चित करना था कि किसी भी आकस्मिक आगजनी की घटना के दौरान संबंधित एजेंसियां आपसी तालमेल के साथ तेजी से कार्रवाई कर सकें।

कार्यक्रम में अपर पुलिस अधीक्षक (सुरक्षा) राजकुमार अग्रवाल, मुख्य अग्निशमन अधिकारी अरुण कुमार सिंह, अग्निशमन अधिकारी नरेश कुमार सिंह आदि मौजूद थे। अधिकारियों ने बताया कि इस प्रकार के नियमित अभ्यास से न केवल संसाधनों की कार्यक्षमता का परीक्षण होता है, बल्कि कर्मचारियों की तत्परता और समन्वय क्षमता भी मजबूत होती है।

ठाकुर राधा दामोदर लाल ने दिए भक्तों को सर्वांग दर्शन

चंदन श्रंगार में ठाकुर राधादामोदर लाल महाराज।

यूनिक समय, वृंदावन। सप्त देवालयों में प्रमुख ठाकुर राधा दामोदर मंदिर में ठाकुर जी को भीषण गर्मी से राहत प्रदान कराने के लिए ठाकुर जी का चंदन श्रृंगार किया गया। साथ ही ठाकुर जी ने अपने भक्तों का सर्वांग दर्शन देकर मन मोह लिया।

राधा दामोदर मंदिर के सेवायत आचार्य कृष्ण बलराम गोस्वामी महाराज ने बताया कि भीषण गर्मी से ठाकुर जी को राहत प्रदान करने के लिए ठाकुर जी का चंदन लेप लगाकर सर्वांग दर्शन की झांकी सजाई।

सेवायत आचार्य पूर्ण चंद्र गोस्वामी ने बताया कि ठाकुर जी के चंदन श्रृंगार के लिए साउथ से उच्च कोटि का चंदन मंगवाया गया। इसको कई दिन पहले से ही मंदिर के सेवायतों के द्वारा घिसना प्रारंभ कर दिया जाता है। चंदन को घिसकर ठाकुर जी के लिए चंदन का विशेष प्रकार का लेप तैयार किया जाता है। सेवायत आचार्य करुण गोस्वामी महाराज ने बताया कि ठाकुर राधा दामोदर लाल के सर्वांग दर्शन करने से भक्तों की सभी मनोकामनाएं पूर्ण होती है। ठाकुर जी के दर्शन करने के लिए दूर दराज से हजारों श्रद्धालु आए।

चंदन श्रृंगार के दर्शन कर भक्त हुए निहाल, लगाए जयकारे

जनगणना में लगे शिक्षकों की सुरक्षा का विशेष ध्यान रखा जाए

सिटी मजिस्ट्रेट को ज्ञापन देता महिला शिक्षक संघ का प्रतिनिधिमंडल।

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। उत्तर प्रदेश महिला शिक्षक संघ की जिलाध्यक्ष दिव्या मिश्रा के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल सिटी मजिस्ट्रेट से मिला। ज्ञापन के माध्यम से अवगत कराया कि दिव्यांग, असाध्य रोग से पीड़ित शिक्षकों व गर्भवती शिक्षिकाओं, बाल्य देखभाल अवकाश पर गई शिक्षिकाओं, सेवा निवृत्ति के करीब होने वाले शिक्षकों की जनगणना कार्य में ड्यूटी न लगायी जाए। जनगणना में लगे शिक्षकों की सुरक्षा का विशेष ध्यान रखा जाए व शिक्षकों पर अतिरिक्त कार्यभार न डाला जाए साथ ही साथ ये कोशिश की जाए कि प्रधानाध्यापकों की ड्यूटी न लगाई जाए जिससे विद्यालय का कोई भीं कार्यक्रम बाधित न हो।, उपाध्यक्ष रचना कुमारी, संगठन मंत्री पूनम गर्ग, खुशबू श्रीवास्तव, अन्जु, महामंत्री गीता रावत, पिंकी, कोषाध्यक्ष मनीषा, सयुंक्त मंत्री सुनीता, अकाउंटेंट उमा, उपाध्यक्ष दीप्ती आदि शामिल थी।

विद्युत सब स्टेशन पर मशीन में ब्लास्ट होने से आपूर्ति ठप

यूनिक समय, राया (मथुरा)। कस्बा स्थित विद्युत सब स्टेशन पर बुधवार की सुबह मशीन में ब्लास्ट होने से आपूर्ति ठप हो गई।

प्रातः साढ़े छह बजे विद्युत मशीन में यकायक ब्लास्ट होने से क्षेत्र की विद्युत आपूर्ति ठप हो गई। इस दौरान लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। करीब चार घंटे की मशक्कत के बाद अधिकारी व कर्मचारियों ने मशीन में आई खामी को दुरुस्त कर विद्युत आपूर्ति सुचारू कराई। इस दौरान उपखण्ड अधिकारी देवेंद्र तिवारी, अवर अभियंता विकास यादव, पंकज शर्मा, ओमवीर सिंह तथा गोपाल लाला आदि उपस्थित थे।

चार घंटे की मशक्त के बाद सुचारू हुई आपूर्ति

माथुर चतुर्वेद परिषद के चुनाव के लिए चुनाव अधिकारी नियुक्त

यूनिक समय, मथुरा। माथुर चतुर्वेद परिषद के त्रिवार्षिक चुनाव को लेकर महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया है। परिषद के महामंत्री राकेश तिवारी एडवोकेट ने बताया कि संस्था के मुख्य संरक्षक महेश पाठक के निर्देशानुसार चुनाव प्रक्रिया को संपन्न कराने के लिए उमेंद्र चतुर्वेदी को मुख्य चुनाव अधिकारी तथा संजीव चतुर्वेदी एडवोकेट को सहायक चुनाव अधिकारी नियुक्त किया गया है।

नियुक्त किए गए दोनों पदाधिकारी अब आगामी त्रिवार्षिक चुनाव का प्रारूप तैयार करेंगे और संपूर्ण चुनावी प्रक्रिया को विधिवत एवं पारदर्शी तरीके से संपन्न कराएंगे। परिषद के इस निर्णय से चुनाव प्रक्रिया को व्यवस्थित और निष्पक्ष रूप से संपन्न कराने की उम्मीद जताई जा रही है।

उमेंद्र चतुर्वेदी को मुख्य चुनाव अधिकारी और संजीव चतुर्वेदी को सहायक चुनाव अधिकारी बनाया गया

छोटे–छोटे कदमों से बड़ा परिवर्तन ला सकते हैं

पृथ्वी दिवस पर बाबा कढ़ेरा विद्या मंदिर के विद्यार्थी संकल्प लेते हुए।

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। बाबा कढ़ेरा विद्या मंदिर में पृथ्वी दिवस मनाया गया। संस्था के चेयरमैन सुरेश सिंह ने बताया कि आज के समय में प्रदूषण, ग्लोबल वार्मिंग, वनों की कटाई और प्लास्टिक का बढ़ता उपयोग पृथ्वी के लिए खतरा बन चुके हैं। अगर हम अभी नहीं जागे तो आने वाली पीढ़ियां साफ हवा, पानी और हरियाली के बिना जीने को मजबूर हो जाएंगी। प्रबंध निदेशक गौरव सिंह ने बताया कि हर व्यक्ति साल में कम से कम एक पेड़ जरूर लगाए, प्लास्टिक का उपयोग कम करें। कपड़े या जूट के बैग का इस्तेमाल किया जाए। प्रधानाचार्य देबाशीष सेन ने बताया कि यदि हम सब मिलकर अगर छोटे–छोटे कदम उठाएं तो बड़ा परिवर्तन ला सकते हैं। यह हमारी जिम्मेदारी है। कार्यक्रम में प्रबंधक प्रहलाद सिंह, शिक्षा प्रभारी एसवी सिंह, वीरपाल प्रधान, उपप्रधानाचार्य रामबाबू, हेडमास्टर सुरेंद्र सिंह, कोर्डिनेटर विपिन सिंह, डॉ. अशोक, रामबीर, जीएस सदानंद शर्मा, अपना शर्मा, ओमप्रकाश, रोहताश, चंद्रेश तथा राकेश रहिजा आदि उपस्थित थे।

बाबा कढ़ेरा विद्या मंदिर में पौधे लगाकर पृथ्वी दिवस मनाया गया

गुरुनानक नगर कॉलोनी के लोग डर रहे हैं मानसून से

नाले की सफाई न होने से फिर जलभराव का खतरा

यूनिक समय, मथुरा। गुरु नानक नगर रेजिडेंट्स वेलफेयर एसोसिएशन के अध्यक्ष महेश खंडेलवाल कोरियर वाले की अगुवाई में प्रतिनिधिमंडल मथुरा–वृंदावन नगर निगम के नगर आयुक्त जगप्रवेश से मिला।

प्रतिनिधिमंडल ने ज्ञापन देते हुए वार्ड संख्या 49 में कई वर्षों से लंबित जल भराव की समस्या एवं नाला सफाई की स्थाई समाधान की मांग की। कहा कि वर्ष 2019 से लेकर 2025 तक समस्याओं के संदर्भ में कई बार अवगत कराया जा चुका है, लेकिन समाधान नहीं हो सका है। अवगत कराया कि पिछले दिनों अपर नगर आयुक्त अनिल कुमार ने दावा किया था कि एक नया नाला बनाया जा रहा है, लेकिन जमीनी हकीकत यह हुई कि कुछ हफ्तों के बाद हुई बारिश से जल भराव की समस्या फिर से हो गई। अध्यक्ष महेश खंडेलवाल ने कहा कि वर्तमान स्थिति काफी चिंताजनक है। गर्मी के मौसम में गंदगी का साम्राज्य होने से कालोनी में अनेक बीमारियों का खतरा उत्पन्न हो गया है। उन्होंने नगर आयुक्त जगप्रवेश से नाले का निरीक्षण करने का आग्रह किया है। कहा कि गुरुनानक नगर कालोनी से भैंस बहोरा तक नाले की सफाई नहीं कराई गई तो आने वाले मानसून में स्थिति और भयावह हो सकती है। ज्ञापन में पांच और बिंदुओं का भी ज्ञापन देने वालों में अध्यक्ष महेश चंद खंडेलवाल, अजय बंसल, राजेश अग्रवाल, जुगल श्रीवास्तव, नवीन शर्मा, हरपाल सिंह भाटिया, शेरा आदि शामिल थे।

नगर आयुक्त जगप्रवेश से मुलाकात करते गुरु नानक नगर रेजिडेंट्स वेलफेयर एसोसिएशन के अध्यक्ष महेश खंडेलवाल के साथ पदाधिकारी।

पृथ्वी दिवस: खो रही है हरी भरी पृथ्वी

जंगल खत्म हो रहे हैं बन रही हैं बिल्डिंग

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। पृथ्वी दिवस, पृथ्वी दिवस, पृथ्वी दिवस। हर कोई चाहता है कि पृथ्वी हरी भरी हो। इस दिवस को मनाने के लिए एक या दो संस्था ही काम करती हैं। स्कूल–कालेजों में पृथ्वी दिवस के बारे में जरूर बताया जाता हो। हकीकत बात आती है कि पृथ्वी को हरा भरा बनाने की तो ताने बाने बुने जाते हैं। सरकारी योजनाओं को साकार करने के लिए ढिंढोरा पीटा जाता है। पर पृथ्वी पर कौन क्या कर रहा है, इसकी बानगी कहीं न कहीं जरूर देखने को मिल जाएंगी। लोगों की बात मानें तो पिछले 10 सालों में पृथ्वी पर न जाने कितनी बड़ी संख्या में कितने पौधा रोपण किए गए, लेकिन पौधा रोपण करने वाली संस्थाओं और लोगों ने यह देखा कि उनके द्वारा रोपित किया गया पौधा किस हालत में है। वन विभाग भी लाखों पौधा रोपण करता है और संस्थाओं को पौधा उपलब्ध कराता है। सरकारी बजट की एक बड़ी राशि खत्म भी होती है। इस राशि से पौधा कितना फल फूल गया। शायद यह कोई देखता है। कड़वी सच्चाई यह है कि लाखों पौधा लगाने के बाद भी कई जगह तो हरियाली दिखाई नहीं देती है। प्रश्न यह उठता है कि आखिर पौधा कहां चले गए। पानी के अभाव में सूख गए या फिर देख रेख के अभाव में खत्म हो गए। पिछले दिनों में जिले के कई क्षेत्रों में पेड़ काटने की खबर काफी सुर्खियां बनी थीं। प्रशासन ने एक्शन भी लिया था। उसके बाद भी पेड़ों का कटान नहीं रुका। आज भी बाजार में लकड़ियों का कारोबार बड़े पैमाने पर चल रहा है। आरा मशीनों पर बड़े बड़े पेड़ कटते दिखाई दे जाएंगे। इसी से अंदाज लग जाएगा कि पृथ्वी को हरा-भरा बनाने के बजाय चल क्या रहा है।

जिले के अधिकांश इलाकों में नजर डालें तो यह देखने में आएगा कि हरे भरे जंगलों की जगह अब बड़े–बड़े एरिया में फ्लैट दिखाई देंगे, या फिर मैरिज होम। मथुरा, वृंदावन, गोवर्धन, बरसाना समेत अन्य क्षेत्रों में ऐसे नजारे देखने को मिल जाएंगे। सोचेंगे यहां पहले क्या था और अब क्या हो गया।

यमुना प्रदूषण और भूजल गुणवत्ता पर बढ़ी चिंता

सिटी रिपोर्टर

यूनिक समय, मथुरा। विश्व पृथ्वी दिवस पर 'हमारी शक्ति, हमारा ग्रह' थीम के साथ मथुरा में पर्यावरण संरक्षण को लेकर चिंता के साथ–साथ जागरूकता की आवश्यकता भी स्पष्ट रूप से सामने आई है। यमुना नदी, भूजल और वायु गुणवत्ता से जुड़े आंकड़े जहां स्थिति की गंभीरता को दर्शाते हैं, वहीं विभिन्न स्तरों पर किए जा रहे प्रयास उम्मीद भी जगा रहे हैं।

प्राप्त जानकारी के अनुसार यमुना नदी में फीकल कोलीफॉर्म का स्तर काफी अधिक दर्ज किया गया है, जो मानक सीमा से कई गुना ऊपर है। इसके साथ ही बायोलॉजिकल ऑक्सीजन डिमांड (बीओडी) का स्तर भी निर्धारित मानकों से अधिक पाया गया है। मथुरा–वृंदावन क्षेत्र में केशी घाट से देवरहा बाबा घाट तक कई नालों का गंदा पानी सीधे यमुना में गिरना प्रदूषण का प्रमुख कारण बना हुआ है।

परिस्थिति में सुधार के लिए ब्रज तीर्थ विकास परिषद द्वारा भू–वैज्ञानिक मैपिंग और प्रदूषण नियंत्रण की योजनाओं पर कार्य किया जा रहा है। गोकुल बैराज, छाता और कोसी क्षेत्रों में

जागरूकता और प्रयासों से उम्मीद कायम

सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट (एसटीपी) परियोजनाओं को आगे बढ़ाया जा रहा है, हालांकि अभी भी बड़ी मात्रा में प्रदूषित जल नालों के माध्यम से यमुना में पहुंच रहा है। भूजल की गुणवत्ता को लेकर भी चिंता बनी हुई है। ग्रामीण क्षेत्रों में फ्लोराइड और क्षारीयता से संबंधित समस्याएं सामने आ रही हैं, जिनका असर स्वास्थ्य पर भी पड़ रहा है। स्वास्थ्य विभाग के अनुसार कुछ क्षेत्रों में बच्चों में दंत फ्लोरोसिस के मामले देखे जा रहे हैं। वहीं वायु गुणवत्ता सूचकांक 42 से 90 के बीच दर्ज किया गया, जो 'अच्छा से मध्यम' श्रेणी में आता है। पर्यावरणविदों का मानना है कि पर्यावरण संरक्षण के लिए सरकारी प्रयासों के साथ–साथ जनभागीदारी भी आवश्यक है। पृथ्वी दिवस पर नागरिकों से प्लास्टिक के उपयोग में कमी लाने, वर्षा जल संचयन को बढ़ावा देने तथा यमुना को स्वच्छ बनाए रखने में सहयोग करें। पृथ्वी हमारी है–इसकी रक्षा भी हमारी ही जिम्मेदारी है ।

जीडी गोयंका टॉडलर हाउस स्कूल में मनाया गया अर्थ डे

छात्र–छात्राओं के साथ मिलकर पौधारोपण करते स्कूल के चेयरमैन अंकुर अग्रवाल।

यूनिक समय मथुरा। सुपारिया एजुकेशनल सोसाइटी द्वारा संचालित जीडी गोयंका टॉडलर हाउस स्कूल में पौधारोपण कर अर्थ डे मनाया गया। स्कूल के चेयरमैन अंकुर अग्रवाल ने विद्यालय के छात्र-छात्राओं के साथ मिलकर पौधारोपण कर बच्चों को हमारे जीवन में पेड़ पौधों का महत्व समझाया। इस दौरान उन्होंने कहा कि पर्यावरण के संरक्षण के लिए हमें जागरूक होकर अधिक से अधिक पौधारोपण करने की आवश्यकता है।

विद्यालय के मैनेजिंग डायरेक्टर किशन अग्रवाल ने बताया कि विद्यालय में बच्चों को परंपरागत शिक्षा के साथ साथ देश की संस्कृति, तीज त्योहार एवं पर्यावरण दिवस जैसे कार्यक्रमों के माध्यम से छात्र-छात्राओं के सर्वांगीण विकास पर विशेष ध्यान दिया जाता है। प्रबंधक मनीषा अग्रवाल ने कहा कि स्कूल में बच्चों को एक्सपीरिएंशियल लर्निंग के लिए

चेयरमैन ने कहा, पर्यावरण के संरक्षण के लिए जागरूकता आवश्यक

विभिन्न प्रकार की एक्टिविटीज के माध्यम से शिक्षित किया जाता है। प्रिंसिपल गरिमा गोविंद ने कहा कि जिज्ञासु मन और उत्साहित दिलों के साथ, बच्चों ने सीखा कि एक छोटा सा बीज कैसे एक सुंदर पौधे में बदल सकता है। उन्होंने बड़े ध्यान से गमलों में मिट्टी भरी, बीज बोए और उन्हें प्यार से पानी दिया, इस दौरान उन्होंने प्रकृति के महत्व और पर्यावरण की देखभाल करना भी सीखा। इस प्रायोगिक गतिविधि ने न केवल उनकी संवेदनात्मक क्षमताओं को बढ़ाया, बल्कि उन्हें धैर्य, जिम्मेदारी और धरती माता के प्रति प्रेम भी सिखाया। इस अवसर पर शिक्षिका दीप्ति चतुर्वेदी, सिमरन अरोड़ा, हिमानी सैनी, निधि शर्मा, नीतू गुप्ता आदि उपस्थित रहे।

श्याम सुंदर धानुका विद्यालय में पृथ्वी दिवस मनाते विद्यार्थियों के साथ शिक्षक।

श्यामसुंदर धानुका विद्यालय में मनाया गया पृथ्वी दिवस

यूनिक समय, वृंदावन। रुकमणि विहार स्थित श्यामसुंदर धनुका सरस्वती विद्या मंदिर में पृथ्वी दिवस मनाया। विद्यालय के प्री प्राइमरी एवं प्राइमरी विंग के छात्र–छात्राओं ने विविध कार्यक्रमों में सहभागिता की। पूरा कार्यक्रम पंचतत्व के थीम पर आधारित रहा। माता पृथ्वी के रूप में सुसज्जित प्राइमरी विंग की छात्र-छात्राओं ने सभी का ध्यान अपनी ओर आकर्षित किया। छात्र-छात्राओं ने गो ग्रीन के वाक्य को सार्थक करते हुए विद्यालय परिसर में पौधारोपण किया। प्राइमरी विंग के छात्र–छात्राओं की एक लघु रैली भी निकली। इस अवसर पर प्रबंध समिति के अध्यक्ष अनिल गोस्वामी, प्रबंधक पद्मनाभ गोस्वामी, कोषाध्यक्ष शिवेंद्र गौतम एवं प्रधानाचार्य केके तिवारी आदि उपस्थित थे।

विश्व पृथ्वी दिवस पर डॉ. लव गुप्ता रेस्पिरेटरी केयर सेंटर का उद्घाटन

रेस्पिरेटरी केयर सेंटर का फीता काटकर उद्घाटन करते डॉ. लव गुप्ता और अतिथि।

यूनिक समय, मथुरा। पृथ्वी दिवस के अवसर पर मथुरा शहर में डॉ. लव गुप्ता रेस्पिरेटरी केयर सेंटर का उद्घाटन किया गया। विशेषज्ञों ने इस अवसर पर लगातार बढ़ रहे प्रदूषण और उसके मानव स्वास्थ्य पर पड़ रहे प्रभाव पर चिंता जाहिर की। पल्मोनोलॉजिस्ट डॉ. लव गुप्ता ने कहा कि वायु प्रदूषण का सबसे ज्यादा प्रभाव फेफड़ों पर पड़ रहा है। रिसर्च में यह सामने आया है कि अब धूम्रपान नहीं करने वाले लोग भी फेफडों संबंधी बीमारियों की चपेट में आ रहे हैं, जिसमें फेफडों का कैंसर भी है। फर्स्ट फ्लोर, जिंदल स्ट्रीट, गोवर्धन चौराहा, मथुरा पर डॉ. लव गुप्ता रेस्पिरेटरी केयर सेंटर का डॉ. लव गुप्ता एवं राम सेवक गुप्ता एवं प्रियंका गुप्ता ने फीता काटकर उद्घाटन किया। इस केयर सेंटर पर पल्मोनोलॉजिस्ट (छाती रोग विशेषज्ञ) डॉ. लव गुप्ता अपनी सेवाएं सोमवार से शनिवार शाम चार बजे से सात बजे तक देंगे। जहां पर टीबी अस्थमा, एलर्जी, फेफड़ों का कैंसर, सांस लेने में दिक्कत, फेफड़े से सम्बंधित सभी बीमारियों का इलाज हो सकेगा। डॉ. लव गुप्ता इससे साथ ही स्वर्ण जयंती हॉस्पिटल टाउनशिप के अलावा मथुरा के बड़े हॉस्पिटल्स में अपनी सेवाएं दे रहे हैं। पल्मोनोजी के क्षेत्र में डॉ. लव गुप्ता एक जाना माना नाम है। इस अवसर पर आशीष, सृष्टि आदि उपस्थित रहें।

सूचना

मैं शशांक शेखर, पुत्र योगेन्द्रनाथ यादव, पशु चिकित्सा विश्व विद्यालय, नि0 मथुरा मेरे पुत्र, माधव शेखर का जन्म 09-05-2023 को हुआ था पुत्र का नाम धर्व शेखर से बदलकर माधव शेखर कर लिया है अब से भविष्य के सभी उद्देश्यों के लिए मेरे पुत्र को माधव शेखर के नाम से जाना पढ़ा एवं लिखा जाए।

सूचना

एक प्लाट नं. 114 मौजा बाजना खसरा नं. 145 तहसील व जिला मथुरा जिसका क्षेत्रफल 61.31 वर्गमीटर मथुरा में स्थित है। उक्त प्लाट से सम्बंधित असल पूर्व बैनामा जो कि रमेशचन्द शर्मा पुत्र रुपनलाल शर्मा ने जसवन्त सिंह पुत्र तेजपाल के नाम विक्रम किया था जिसकी राजस्ट्री दिनाक 31/10/2014 टीन0- 1 जिल्द नं. नं. 11060 पृष्ठ 379 से 402 पर क्रमांक 18476 पर रजिस्ट्रीकृत मनीष उपाध्याय पुत्र रामबाबू किसी काम से जा रहे थे कि तभी उक्त असली रजिस्ट्री दिनांक 31/10/2024 व अन्य कागजातों सहित गुम हो गई है जिसे ढूंढने का काफी प्रयास किया गया परन्तु नही मिले। जिसकी सुचना सम्बन्धित थाने में भी दी जा चुकी है। उक्त सम्पत्ति पीएनबी हाउलिग फाइनेंस लिमिटेड मथुरा में बंधक, रखी जा रही है। उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में किसी व्यक्ति को या किसी संस्थान को कोई आपत्ति हो तो वह इसके सम्बन्ध में पीएनबी हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड बैंक के अधिवक्ता से सम्पर्क करें। अधिवक्ता भुवनेश कुमार शर्मा सोप नं. 8 कमला पैलेस श्रीराम चौक कामला नगर आगरा । मो:- 9412010821

विश्व पृथ्वी दिवस पर हमारी शक्ति हमारा ग्रह पर नाटिका प्रस्तुत

आरआईएस के शिक्षार्थियों ने लिया पर्यावरण संरक्षण का संकल्प

पृथ्वी दिवस पर पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते राजीव इंटरनेशनल स्कूल के छात्र।

यूनिक समय, मथुरा। राजीव इंटरनेशनल स्कूल में विश्व पृथ्वी दिवस पर छात्र–छात्राओं ने विविध कार्यक्रमों तथा पौधरोपण कर दुनिया में बिगड़ते पर्यावरण पर चिन्ता जताई। छोटे–छोटे बच्चों ने रोल प्ले कम्पटीशन तथा हमारी शक्ति हमारा ग्रह थीम पर शानदार नृत्य नाटिका प्रस्तुत कर समाज को पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। छात्र–छात्राओं ने अपने संदेश में कहा कि पृथ्वी रहेगी तभी जीवन रहेगा। राजीव इंटरनेशनल स्कूल में विश्व पृथ्वी सप्ताह का आयोजन किया गया, जिसमें छात्र–छात्राओं ने प्रतिदिन बिगड़ते पर्यावरण संतुलन को सुधारने के लिए जागरूकता कार्यक्रम प्रस्तुत किए। विद्यार्थियों ने जहां पोस्टर्स तथा स्लोगन के माध्यम से पर्यावरण बचाने का संदेश दिया वहीं रैली निकालकर आमजन को जागरूक किया। विश्व पृथ्वी दिवस के दिन छात्र–छात्राओं ने भाषण, कविता एवं नृत्य नाटिका के माध्यम से पर्यावरण को बचाने का संकल्प लिया। जिनीषा और आशी ने भाषण तो वंशिका सिंह ने हिन्दी कविता के माध्यम से पर्यावरण संतुलन पर आमजन के कर्तव्य समझाए। छात्र–छात्राओं ने गीत के माध्यम से पेड़ बचाने का संदेश दिया तो नृत्य नाटिका के माध्यम से धरती मां के प्रति कर्तव्यों की याद दिलाई। वर्कशॉप में विद्यालय की प्राचार्या प्रिया मदान ने कहा कि पृथ्वी दिवस का मतलब सिर्फ एक दिन पर्यावरण के बारे में सोचना नहीं है। यह हमारी पृथ्वी का जश्न मनाने और पूरे साल पृथ्वी के प्रति दयालु रहने के लिए कदम उठाने का समय है। पृथ्वी दिवस कार्यक्रम का संचालन प्रणवी गर्ग एवं नम्रता सिंह ने किया। स्कूल के चेयरमैन मनोज अग्रवाल ने छात्र–छात्राओं द्वारा प्रस्तुत विविध कार्यक्रमों की प्रशंसा करते हुए कहा कि पर्यावरण की रक्षा हर व्यक्ति का कर्तव्य है। श्री अग्रवाल ने कहा कि अधिक से अधिक पौधरोपण कर, जल संरक्षण को बढ़ावा देकर हम सब स्वच्छ और हरित भारत के निर्माण में अपना योगदान सुनिश्चित कर सकते हैं। श्री अग्रवाल ने कहा कि पृथ्वी की रक्षा करना आने वाली पीढ़ियों के प्रति हमारा पवित्र कर्तव्य है। यह दिवस हमें अपनी आदतों में बदलाव करके प्रकृति को सुरक्षित रखने की याद दिलाता है। अंत में श्री अग्रवाल ने छात्र–छात्राओं से प्रकृति रक्षा का संकल्प लेने का आह्वान किया।

शरीर में विटामिन डी की कमी होने पर दिखते हैं ऐसे लक्षण

यूनिक समय, मथुरा। शरीर में विटामिन डी की कमी के लक्षणों को पहचानकर इस कमी को पूरा करने का प्रयास किया जाता है। आज हम आपको बताने जा रहे हैं कि विटामिन डी की कमी होने पर शरीर में क्या लक्षण दिखाई देते हैं और शरीर में इसकी कमी को कैसे पूरा किया जा सकता है।

हर व्यक्ति के स्वस्थ रहने के लिए हेल्दी डाइट लेने की सलाह दी जाती है। व्यक्ति को सेहतमंद बने रहने के लिए तमाम पोषक तत्वों, विटामिन्स और मिनरल्स की जरूरत होती है। वहीं किसी भी चीज की कमी होने पर स्वास्थ्य बिगड़ने लगता है। विटामिन डी भी ऐसा ही एक जरूरी विटामिन है। यह हमारी सेहत के लिए जरूरी होता है। इस विटामिन की कमी से नींद की कमी, कमजोरी, हड्डियों में दर्द, मसल्स की कमजोर, भूख की कमी, त्वचा का पीला पड़ना या जल्दी-जल्दी बीमार पड़ने जैसी सेहत संबंधी समस्याएं होती हैं। शरीर में विटामिन डी की कमी के लक्षणों को पहचानकर इस कमी को पूरा करने का प्रयास किया जाता है। आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको बताने जा रहे हैं कि विटामिन डी की कमी होने पर शरीर में क्या लक्षण दिखाई देते हैं और शरीर में इसकी कमी को कैसे पूरा किया जा सकता है।

विटामिन डी की कमी का कारण

हेल्थ एक्सपर्ट के मुताबिक शरीर में विटामिन डी की कमी होने का पहला कारण यह होता है कि लोग धूप में कम निकलते हैं और अधिकतर समय रूम में बिताते हैं। बता दें कि धूप विटामिन डी का मुख्य स्त्रोत होता है।

डाइट में विटामिन डी से भरपूर फूड्स न शामिल करने पर भी शरीर में इसकी कमी हो सकती है। जो लोग लो फैट डाइट लेते हैं या जिन लोगों के खाने में विटामिन डी से भरपूर फूड्स शामिल नहीं होते हैं, उनके शरीर में विटामिन डी की कमी पाई जाती है।

विटामिन डी की कमी का तीसरा कारण मालएब्जॉर्पशन भी हो सकता है। जिसका मतलब होता है कि जब व्यक्ति विटामिन डी से भरपूर डाइट तो लेते हैं, लेकिन शरीर इस विटामिन को एब्जॉर्व नहीं कर पाता है। जिसके कारण पेट संबंधी या फिर गैस्ट्रिक सर्जरी वगैरह हो सकती है।

ऐसे पूरी होगी विटामिन डी की कमी

विटामिन डी की कमी को पूरा करने के लिए रोजाना कम से कम 10-15 मिनट धूप में बैठना चाहिए। क्योंकि धूप विटामिन डी का मुख्य स्त्रोत होता है। सुबह 7 बजे से 11 बजे के बीच धूप में बैठना चाहिए। इसके बाद की धूप स्वास्थ्य के लिए अच्छी नहीं मानी जाती है। वहीं धूप में बैठने से पहले सनस्क्रीन लगाना न भूलें। इसके साथ ही विटामिन डी से भरपूर फूड्स को डाइट में शामिल करना चाहिए। आप अपनी डाइट में मैकेरल, साल्मन और टूना के अलावा अंडे का पीला भाग, चीज विटामिन डी फॉर्टिफाइड फूड्स जैसे दूध या ऑरेंज जूस आदि को शामिल कर सकते हैं। इसके अलावा आप डॉक्टर की सलाह पर विटामिन डी के सप्लीमेंट्स भी ले सकते हैं। हेल्थ एक्सपर्ट के मुताबिक बच्चों के लिए हर दिन 400-600 आईयू और बड़ों के लिए 800-2000 आईयू होनी चाहिए।

गर्मियों में ठंडक और ताजगी का देसी उपाय

पान के पत्तों से बनाएं हेल्दी ड्रिंक

यूनिक समय, मथुरा। गर्मियों के मौसम में तेज धूप और लू से बचने के लिए शरीर को ठंडक और ताजगी की जरूरत होती है। ऐसे में अक्सर लोग बाजार की कोल्ड ड्रिंक या आइसक्रीम का सेवन करते हैं, लेकिन ये सिर्फ तात्कालिक राहत देती हैं और स्वास्थ्य पर बुरा असर डाल सकती हैं। इसकी जगह आप घर पर देसी और हेल्दी विकल्प के रूप में पान के पत्तों से बने शरबत का सेवन कर सकते हैं। पान के पत्तों में प्रोटीन, फाइबर, कार्बोहाइड्रेट, एंटीऑक्सीडेंट्स और विटामिन सी जैसे पोषक तत्व मौजूद होते हैं जो शरीर को ठंडक देने के साथ-साथ पाचन तंत्र को भी बेहतर बनाते हैं। इसके अलावा पान में एंटी इंफ्लेमेटरी, एंटीबैक्टीरियल और डाइजेस्टिव गुण भी होते हैं, जो गर्मी से जुड़ी समस्याओं जैसे एसिडिटी, गैस, बदहजमी और मुंह की बदबू को दूर करते हैं। पान का शरबत शरीर को हाइड्रेट रखने के साथ-साथ स्किन को भी हेल्दी और ग्लोइंग बनाता है। इस शरबत को बनाना भी बेहद आसान है। इसके लिए पान के 4 से 5 पत्ते लें, उन्हें साफ पानी से धो लें और ब्लेंडर में डालें। इसके साथ 1 चम्मच सौंफ, 1 से 2 चम्मच मिश्री या शहद, एक चुटकी काला नमक और ठंडा पानी डालें। इन सभी चीजों को अच्छी तरह ब्लेंड करें और फिर मिश्रण को छानकर गिलास में निकाल लें। ऊपर से बर्फ के टुकड़े डालें और ठंडा-ठंडा सर्व करें। पान का शरबत पीने का सबसे अच्छा समय रात के खाने के 15-20 मिनट बाद होता है, क्योंकि यह कब्ज, गैस और एसिडिटी से राहत देता है और पाचन तंत्र को सुधारता है। गर्मियों में दिन में एक बार इसका सेवन शरीर को अंदर से ठंडा रखता है। यह शरबत मुंह की दुर्गंध को भी दूर करता है और संपूर्ण रूप से एक बेहतरीन घरेलू पेय है। अगर आप गर्मी में हेल्दी और देसी ड्रिंक की तलाश में हैं, तो पान का शरबत आपके लिए सबसे उपयुक्त विकल्प हो सकता है। यह पारंपरिक और औषधीय गुणों से भरपूर शरबत आपके शरीर को राहत देने के साथ-साथ सेहत का भी ख्याल रखता है।

एसी की कूलिंग बढ़ाने के लिए अपनाएं ये तरीका

यूनिक समय, मथुरा। अगर आपकी एसी भी ढंग से कूलिंग नहीं दे रही है, तो परेशान न हो। हम आपको कुछ ऐसे तरीके बताएंगे जिसकी मदद से कूलिंग अच्छी हो सकती है। इसके लिए आपको कुछ ज्यादा नहीं करना, बस इन 3 तरीकों को अपनाकर, आपका एसी एकदम बर्फ जैसी कूलिंग करेगा। चलिए आपको बताते हैं ये तीन तरीके।

गर्मी से सबका बुरा हाल हो चुका है। ऐसे में बस एसी ही एक मात्र उपाय है, जो ठंडक प्रदान कर रहा है। अगर आप एसी का इस्तेमाल कर रहे हैं लेकिन वह ढंग से कूलिंग नहीं दे रहा है, तो आप परेशान न हो। हम इस लेख में कुछ आसान टिप्स बताने जा रहे हैं जिसकी मदद से आपकी एसी बर्फ जैसी कूलिंग देगा। चलिए आपको इसकी जानकारी देते हैं।

फिल्टर की सफाई जरूरी

एक्सपर्ट के मुताबिक, एसी के फिल्टर को समय-समय पर साफ करते रहना चाहिए। अगर आप इसे साफ नहीं रखेंगे तो इसका सीधा असर एसी की कूलिंग पर पड़ने वाला है। इसी वजह से हर कोई एसी के फिल्टर का पूरा ध्यान रखता है। खास बात है कि एगर आप इस प्रोसेस को फॉलो करते हैं तो आपको इंजीनियर की जरूरत नहीं होगी। यानी आपके पैसे की बचत होगी और एसी की कूलिंग भी मस्त होगी।

आउटडोर को ढकें

इंडोर के साथ एसी की आउटडोर यूनिट का भी ध्यान रखना जरूरी होता है। आपके हमेशा इसे ढककर रखना चाहिए। ऐसा करने से आपको एसी की कूलिंग अच्छी मिल सकती है। कई बार होता है कि हम इसे ऐसा ही छोड़ देते हैं, लेकिन इससे काफी परेशानी होती है।

हमेशा खिड़की बंद रखें

अक्सर यह देखने को मिलता है कि एसी चलाने के साथ विंडो भी ओपन रहती है। ये काफी गलत प्रैक्टिस है क्योंकि इससे एसी को भी काफी नुकसान होता है और उसकी लाइफ भी कम हो जाती है। इस बात का ध्यान जरूर रखें कि एसी चलाते समय कमरे की खिड़कियां बंद होनी चाहिए।

इससे रूम का तापमान बना रहता है जो काफी काम आसान कर सकता है। इसलिए आपको इसका ध्यान रखना है।

मिलेगी बर्फ जैसी ठंडक

नैनीताल घूमने के दौरान जरूर टेस्ट करें यहां की लोकल डिशेज, नहीं भूलेंगे स्वाद

यूनिक समय, मथुरा। अगर आप भी इस समर सीजन किसी अच्छे हिल स्टेशन जाने का प्लान कर रहे हैं, तो आप नैनीताल को एक्सप्लोर कर सकते हैं।

आज हम आपको 5 ऐसी डिशेज के बारे में बताने जा रहे हैं, जो आप नैनीताल में ट्राई कर सकते हैं।

समर सीजन में अक्सर लोग घूमने के लिए किसी ठंडी जगह की तलाश में रहते हैं। ऐसे में अगर आप भी इस समर सीजन किसी अच्छे हिल स्टेशन जाने का प्लान कर रहे हैं, तो आप नैनीताल को एक्सप्लोर कर सकते हैं। नैनीताल हिल स्टेशन घूमने के लिहाज से काफी अच्छी है। यहां पर आप कई खाने-पीने की चीजों को एक्सप्लोर कर सकते हैं।

ऐसे में अगर आप भी कहीं जाते हैं और वहां की लोकल डिशेज ट्राई करना पसंद करते हैं, तो यह आर्टिकल आपके लिए है। आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको 5 ऐसी डिशेज के बारे में बताने जा रहे हैं, जो आप नैनीताल में ट्राई कर सकते हैं।

बाल मिठाई : बाल मिठाई खोए और चीनी के गोले से ढकी गहरे भूरे रंग की होती है। यह मिठाई चॉकलेट फज जैसी लगती है। बता दें कि यह एक ऐसी मिठाई है, जो मुंह में रखते ही पिघल जाती है। इसलिए इस मिठाई को चखना न भूलें।

चैंसू : चैंसू उड़द की दाल से बनाया जाता है। यह गढ़वाल की फेमस डिश है। बता दें कि इस डिश को कढ़ाई में धीमी आंच पर पकाकर बनाया जाता है। यदि आप इस डिश को ट्राई करते हैं, तो यकीनन आप इसका स्वाद कभी नहीं भूलेंगे। हाई प्रोटीन की वजह से चैंसू को पचने में थोड़ा सा समय लग सकता है, लेकिन आपको एक बार इसे जरूर ट्राई करना चाहिए।

रास : रास अलग-अलग दालों से बनाकर तैयार की जाती है। यह एक बेहद टेस्टी डिश है। इस डिश का पोषण मूल्य काफी अच्छा है। इस डिश को लोहे की कढ़ाही में बनाकर तैयार किया जाता है। वहीं पोषण बनाए रखने के लिए इसको धीमी आंच पर पकाया जाता है। इस डिश को भांग की चटनी और गरम चावल के साथ परोसा जाता है।

आलू के गुटके : यह एक मसालेदार स्वादिष्ट डिश है। इसको आलू, धनिया और लाल मिर्च के साथ बनाकर तैयार किया जाता है। बता दें कि इस डिश को पूड़ी, भांग की चटनी और कुमाऊं के रायते के साथ सर्व किया जाता है। ऐसे में नैनीताल एक्सप्लोर करने के दौरान आपको यह डिश जरूर ट्राई करनी चाहिए।

भट्ट की चुरकानी : यह डिश कुमाऊं में काफी ज्यादा फेमस है। पहाड़ी त्योहारों के दौरान भट्ट की चुरकानी जरूर बनाई जाती है। इस डिश की मुख्य सामग्री चावल का पेस्ट और काली भट्ट या सोयाबीन है। इस डिश को चावल और घी के साथ परोसा जाता है। यकीनन यह डिश आपको पसंद आएगी।

सुविचार

जो व्यक्ति शक्ति न होते हुए भी मन से हार नहीं मानता उसे दुनिया की कोई भी ताकत हरा नहीं सकती।

कल का पंचांग

तिथि	सप्तमी	10:49-08:49 तक	पक्ष	शुक्ल पक्ष
नक्षत्र	पुनर्वसु	10:13- 08:57 तक	माह	बैशाख
सूर्योदय		5:51 AM	चन्द्रोदय	10:54 AM
सूर्यास्त		6:44 PM	चंद्रास्त	01:14 AM
सूर्य राशि		मेष राशि	चंद्र	मिथुन राशि
शुभ मुहूर्त		11:52AM -12:43 PM	ब्रहम् मुहूर्त	04:26-05:14
त्योहार/व्रत			विक्रम संवत्	2083
राहुकाल		12:17 PM: 01:54 PM	वार	गुरुवार

ब्रज के मंदिरों के दर्शन

ब्रज की सभी कथा और श्री राधा कृष्ण की सभी लीलाओं के दर्शन यूनिक समय चैनल के माध्यम से करें।

Youtube Channel : https://youtube.com/uniquesamay

मोहिनी एकादशी का अद्भुत महत्व : जानिए पांच विशेष बातें

यूनिक समय, मथुरा। मोहिनी एकादशी 27 अप्रैल को मनाई जाएगी, हिन्दू धर्म का एक अत्यंत पवित्र और फलदायी व्रत माना जाता है। यह व्रत विशेष रूप से भगवान विष्णु के मोहिनी अवतार को समर्पित है। धार्मिक मान्यता है कि इस दिन श्रद्धा और नियमपूर्वक व्रत रखने से व्यक्ति के जीवन में सुख, शांति और समृद्धि का आगमन होता है। साथ ही यह व्रत मन को शुद्ध करता है और नकारात्मक ऊर्जा को दूर करता है।

भगवान विष्णु का अद्वितीय मोहिनी अवतार– मोहिनी एकादशी का सबसे बड़ा महत्व इस बात से जुड़ा है कि इस दिन भगवान विष्णु ने मोहिनी रूप धारण किया था। यह उनका एकमात्र स्त्री अवतार माना जाता है। इस स्वरूप में भगवान ने अपनी दिव्य माया से असुरों को मोहित किया और धर्म की रक्षा की।

समुद्र मंथन और अमृत की रक्षा– पौराणिक कथा के अनुसार, जब समुद्र मंथन से अमृत निकला तो देवताओं और असुरों के बीच संघर्ष शुरू हो गया। तब भगवान विष्णु ने मोहिनी रूप लेकर असुरों को भ्रमित किया और अमृत देवताओं को पिला दिया। इस घटना से देवताओं को अमरत्व प्राप्त हुआ और सृष्टि में संतुलन बना रहा।

MANNAT GROUP
Building Your Vision, Creating Reality

राम और महाभारत काल से संबंध

मोहिनी एकादशी का उल्लेख त्रेता और द्वापर युग में भी मिलता है। कहा जाता है कि महर्षि वशिष्ठ ने भगवान राम को सीता वियोग के दुख से उबरने के लिए इस व्रत का सुझाव दिया था। वहीं महाभारत काल में भगवान कृष्ण ने धर्मराज युधिष्ठिर को इस व्रत की महिमा बताई थी और इसे मोह–माया से मुक्ति का मार्ग बताया था।

मोह और माया से मुक्ति का मार्ग– यह व्रत व्यक्ति को सांसारिक मोह–माया से ऊपर उठने की प्रेरणा देता है। नियमित रूप से इस व्रत का पालन करने से मन में सकारात्मकता आती है और जीवन के प्रति दृष्टिकोण शुद्ध होता है। यह मानसिक शांति और आत्मिक उन्नाति का मार्ग प्रशस्त करता है।

पुण्य और समृद्धि का स्रोत– शास्त्रों के अनुसार, मोहिनी एकादशी का व्रत करने से हजारों गौदान और तीर्थ यात्रा के बराबर पुण्य मिलता है। यह व्रत दरिद्रता और दुखों को दूर कर जीवन में समृद्धि और सफलता लाने वाला माना गया है।

इस दिन भगवान विष्णु को पीला चंदन, केसर और पीले पुष्प अर्पित करना अत्यंत शुभ माना जाता है। सच्चे मन से की गई पूजा से भगवान की विशेष कृपा प्राप्त होती है और जीवन की बाधाएं दूर होती हैं।

मंदिर खुलने व बंद होने का समय

- श्रीबांके बिहारीजी मंदिर में सुबह 8 .00 से दोपहर 01 .30 बजे तक और शाम 4 .00 से रात 9 .00 बजे तक।
- श्रीकृष्ण जन्मभूमि में श्री गर्भगृह के दर्शन सुबह 6 .30 बजे से रात 9 बजे तक।
- श्रीकृष्ण जन्मभूमि के भागवत भवन व अन्य मंदिर में सुबह 6 .30 बजे से दोपहर 12 बजे तक और शाम 4 बजे से रात 9 बजे तक।
- द्वारकाधीश मंदिर में सुबह 6 .30 बजे से 11 बजे तक और शाम 4 बजे से 7 .30 बजे तक।

कल का राशिफल

मेष राशि के जातकों के लिए आज का दिन काफी सक्रिय और अवसरों से भरा रह सकता है।

वृषभ राशि के लोगों के लिए आज का दिन स्थिरता और सफलता का संकेत देता है। कार्यक्षेत्र में आपकी मेहनत का फल मिलने लगेगा और वरिष्ठ अधिकारियों से सराहना मिल सकती है।

मिथुन राशि के जातकों के लिए आज का दिन रचनात्मकता और नए अवसरों से भरा रहेगा। कार्यक्षेत्र में आपके आइडियाज और सुझावों की सराहना होगी, जिससे आपकी पहचान मजबूत होगी।

कर्क राशि राशि के लोगों के लिए आज का दिन थोड़ा भावनात्मक रह सकता है। कार्यक्षेत्र में कुछ चुनौतियां आ सकती हैं, लेकिन धैर्य और समझदारी से आप उन्हें संभाल सकते हैं।

सिंह राशि राशि के जातकों के लिए आज का दिन सफलता और सम्मान दिलाने वाला रहेगा। कार्यक्षेत्र में आपकी नेतृत्व क्षमता और आत्मविश्वास लोगों को प्रभावित करेगा।

कन्या राशि राशि के लोगों के लिए आज का दिन मेहनत और जिम्मेदारियों से भरा रहेगा। कार्यक्षेत्र में कई महत्वपूर्ण कार्यों को समय पर पूरा करना होगा, जिससे थोड़ी व्यस्तता बनी रहेगी।

तुला राशि राशि के लोगों के लिए आज का दिन संतुलन और सामंजस्य का रहेगा। कार्यक्षेत्र में सहयोगियों का पूरा साथ मिलेगा और आपके काम आसानी से पूरे होंगे।

वृश्चिक राशि राशि के लोगों के लिए आज का दिन धैर्य और समझदारी से काम लेने का रहेगा। कार्यक्षेत्र में नई जिम्मेदारियां मिल सकती हैं, जिन्हें सही योजना से पूरा करना होगा।

धनु राशि राशि के जातकों के लिए आज का दिन भाग्य का साथ देने वाला रहेगा। करियर और शिक्षा में सफलता मिलने की संभावना है।

मकर राशि राशि के लोगों के लिए आज का दिन मेहनत और अनुशासन से सफलता दिलाने वाला रहेगा। कार्यक्षेत्र में आपकी लगन और जिम्मेदारी की सराहना होगी।

कुंभ राशि राशि के जातकों के लिए आज का दिन नए अवसर और रचनात्मकता लेकर आएगा। कार्यक्षेत्र में आपकी योजनाएं सफल हो सकती हैं और नए संपर्क बनने की संभावना है।

मीन राशि राशि के लोगों के लिए आज का दिन आध्यात्मिक ऊर्जा और सकारात्मक सोच से भरा रहेगा। कार्यक्षेत्र में धीरे–धीरे प्रगति होगी और आपकी मेहनत रंग लाएगी।

मांगलिक दोष और वैवाहिक जीवन: सच या सिर्फ एक भ्रम?

यूनिक समय, मथुरा। भारतीय समाज में 'मांगलिक दोष' को लेकर लंबे समय से डर और भ्रांतियां फैली हुई हैं। अक्सर लोग इसे वैवाहिक जीवन के लिए अशुभ मानते हैं, लेकिन ज्योतिष के अनुसार यह कोई श्राप नहीं बल्कि ऊर्जा की एक विशेष स्थिति है। सही समझ के साथ इसे संतुलित किया जा सकता है।

ज्योतिष शास्त्र में जब मंगल ग्रह जन्म कुंडली के 1, 4, 7, 8 या 12वें भाव में होता है, तो व्यक्ति को मांगलिक कहा जाता है। मंगल को ऊर्जा, साहस और आक्रामकता का प्रतीक माना जाता है। ऐसे में यह वैवाहिक जीवन में स्वभाव की तीव्रता और कभी–कभी टकराव का कारण बन सकता है। सबसे बड़ी भ्रांति यह है कि मांगलिक व्यक्ति की शादी गैर–मांगलिक से होने पर जीवनसाथी की मृत्यु हो सकती है। जबकि यह पूरी तरह गलत धारणा है। वैवाहिक जीवन की सफलता कई अन्य ग्रहों और योगों पर निर्भर करती है, केवल मंगल पर नहीं। यह अधिकतर स्वभाव और आपसी तालमेल से जुड़ा होता है। मांगलिक जातक ऊर्जावान, आत्मविश्वासी और लक्ष्य के प्रति समर्पित होते हैं। सही दिशा मिलने पर ये लोग अपने करियर और जीवन में बड़ी सफलता हासिल कर सकते हैं।

ज्योतिष में कई स्थितियां ऐसी होती हैं, जब मांगलिक दोष का प्रभाव स्वतः कम या समाप्त हो जाता है। जैसे मंगल पर गुरु की दृष्टि, मंगल का अपनी राशि में होना या 28 वर्ष के बाद इसका प्रभाव कम होना। कई मामलों में यह दोष पहले से ही निष्क्रिय होता है।

विवाह से पहले केवल मांगलिक दोष नहीं, बल्कि गुण मिलान, भकूट और गण पर भी ध्यान देना चाहिए। सबसे महत्वपूर्ण है आपसी समझ, संवाद और धैर्य। जरूरत पड़ने पर शास्त्रीय उपाय भी किए जा सकते हैं।

अचानक बदलने वाली है इन पांच राशि वालों की तकदीर : ग्रहों का बड़ा संकेत

यूनिक समय, मथुरा। ज्योतिषीय गणनाओं के अनुसार आने वाले दिनों में ग्रहों की स्थिति एक बेहद शक्तिशाली योग का निर्माण कर रही है। सूर्य का मेष राशि में प्रवेश और चंद्रमा का वृषभ राशि में होना, दोनों का अपनी–अपनी उच्च राशियों में स्थित होना एक विशेष संयोग बना रहा है। इसके साथ ही शुक्र अपनी ही राशि में रहकर मालव्य योग बना रहा है, जबकि शनि, गुरु और मंगल की चाल में बदलाव भी जीवन के विभिन्न क्षेत्रों पर गहरा प्रभाव डालने वाला है। इस महागोचर का असर खासतौर पर पांच राशियों पर देखने को मिलेगा, जिनके लिए यह समय भाग्य के नए द्वार खोल सकता है।

मेष राशि के जातकों के लिए यह समय बेहद शुभ संकेत दे रहा है। सूर्य का आपकी राशि में उच्च का होना और मंगल का प्रभाव आपको ऊर्जा और साहस से भर देगा। आपके व्यक्तित्व में आकर्षण बढ़ेगा और लोग आपकी ओर प्रभावित होंगे। कार्यस्थल पर आपकी नेतृत्व क्षमता की सराहना होगी और वरिष्ठ अधिकारी आप पर भरोसा जताएंगे। यदि आप नई नौकरी की तलाश में हैं, तो कोई बड़ा अवसर मिल सकता है। हालांकि, अति–उत्साह से बचते हुए संतुलन बनाए रखना जरूरी होगा।

मिथुन राशि के जातकों के लिए यह समय उनकी बौद्धिक क्षमता को निखारने वाला है। आपकी वाणी और संवाद कौशल आपकी सबसे बड़ी ताकत बनेंगे। मीडिया, मार्केटिंग, शिक्षा या पीआर से जुड़े लोगों को अचानक सफलता और पहचान मिल सकती है। आपकी बातचीत की शैली बड़े फैसलों को आपके पक्ष में करने में मदद करेगी। नए संपर्क बनेंगे जो भविष्य में लाभदायक साबित होंगे। समाज में आपकी छवि एक प्रभावशाली व्यक्तित्व के रूप में उभरेगी।

सिंह राशि के लिए यह समय सफलता और सम्मान लेकर आ रहा है। सूर्य की मजबूत स्थिति और गुरु की अनुकूल दृष्टि से धन और प्रतिष्ठा में वृद्धि के योग बन रहे हैं। यदि आप कला, लेखन या रचनात्मक क्षेत्रों से जुड़े हैं, तो आपकी प्रतिभा को पहचान मिलेगी। पुराने निवेशों से लाभ मिलने की संभावना है और करियर में नई उंचाइयों तक पहुंचने का मौका मिलेगा। यह समय अपने सपनों को साकार करने के लिए अनुकूल है।

तुला राशि के जातकों के लिए यह समय संतुलन और प्रगति का है। जो काम लंबे समय से रुके हुए थे, उनमें अब गति आएगी। यदि आप किसी साझेदारी में काम कर रहे हैं, तो तालमेल बेहतर होगा और लाभ में वृद्धि होगी। व्यक्तिगत जीवन में भी सुधार आएगा और आपका आत्मविश्वास बढ़ेगा। संपत्ति या जमीन से जुड़े मामलों में लाभ मिल सकता है। पुराने विवादों और कानूनी मामलों में राहत मिलने की संभावना है, जिससे मानसिक शांति प्राप्त होगी।

वृश्चिक राशि के लिए यह समय संघर्ष के बाद सफलता का संकेत दे रहा है। लंबे समय से चली आ रही परेशानियां अब खत्म होने लगेंगी। करियर में प्रमोशन, नई नौकरी या बदलाव के योग बन रहे हैं। आपकी मेहनत को पहचान मिलेगी और उच्च अधिकारी आपके काम की सराहना करेंगे। परिवार या करियर से जुड़ी कोई बड़ी खुशखबरी मिल सकती है। ऊर्जा और आत्मविश्वास के साथ आप अपने लक्ष्यों को समय से पहले हासिल कर पाएंगे।

व्रत–त्योहार का कैलेंडर 2026

- 27 अप्रैल: मोहिनी एकादशी
- 28 अप्रैल: भौम प्रदोष व्रत
- 1 मई : वैशाख पूर्णिमा
- 5 मई: एकदन्त संकष्टी
- 13 मई: अपरा एकादशी
- 14 मई: गुरु प्रदोष व्रत
- 15 मई: ज्येष्ठ मासिक शिवरात्र
- 16 मई : ज्येष्ठ शनि अमावस्या
- 20 मई : वरद चतुर्थी
- 27 मई: पद्मिनी एकादशी
- 28 मई: गुरु प्रदोष व्रत
- 30 मई: ज्येष्ठ अधिक पूर्णिमा

सम्पादकीय

सत्ता के नशे में कानून बना निजी संपत्ति

लोकतंत्र में सत्ता को सेवा का माध्यम माना जाता है, लेकिन कुछ जनप्रतिनिधियों और उनके परिवारों के व्यवहार को देखकर लगता है कि यह "वीआईपी लाइसेंस" बन चुकी है। ताजा मामला मध्य प्रदेश का है, जहां एक विधायक पुत्र पर आरोप है कि सड़क पर रास्ता न मिलने पर उन्होंने अपनी लग्जरी कार को मानो वीडियो गेम का हथियार समझ लिया। फर्क बस इतना था कि यहां "रीसेट बटन" नहीं था–सामने असली लोग थे।

और कहानी यहीं खत्म नहीं होती। जब कार्रवाई की बारी आई तो जिम्मेदारी लेने के बजाय उल्टा अधिकारी को ही "ज्ञान" दे दिया गया। यानी नियम वही सही, जो सत्ता के अनुकूल हो। बाकी कानून तो शायद सिर्फ आम जनता के लिए ही लिखा गया है–एक तरह का "यूजर एग्रीमेंट", जिसे पढ़े बिना ही स्वीकार करना पड़ता है।

पवन गौतम
संपादक

आजकल राजनीति में एक नया ट्रेंड चल पड़ा है–"पावर इज इनहेरिटेड।" जनप्रतिनिधि चुने जाते हैं, लेकिन व्यवहार ऐसा कि मानो उनके परिजन भी उसी के साथ बोनस में सत्ता के हकदार हो गए हों। सड़क पर चलना हो या कानून का पालन करना–ये सब आम नागरिकों के लिए है, "शहजादों" के लिए नहीं। उन्हें तो शायद लगता है कि ट्रैफिक सिग्नल भी उनकी गाड़ी देखकर हरा हो जाना चाहिए। विडंबना यह भी है कि इस पूरे खेल में कुछ अधिकारी भी "सिस्टम के असली खिलाड़ी" बन जाते हैं। नियम–कानून की किताबें अलमारी में बंद रहती हैं और आदेश फोन कॉल से जारी होते हैं। जो अधिकारी ईमानदारी से काम करना चाहता है, वह अचानक "बहुत सख्त" या "असमंजस पैदा करने वाला" घोषित कर दिया जाता है। मानो कानून का पालन करना कोई असामान्य हरकत हो।

इस कॉलम को मोबाइल पर सुनने के लिए QR कोड को स्कैन करें।

असल सवाल यह नहीं है कि एक घटना में क्या हुआ। सवाल यह है कि क्या कानून सच में सबके लिए बराबर है? अगर हां, तो फिर कार्रवाई में यह हिचक क्यों? और अगर नहीं, तो फिर लोकतंत्र की यह परिभाषा किस काम की?

राजनीतिक दल अक्सर नैतिकता और पारदर्शिता की बातें करते हैं, लेकिन असली परीक्षा ऐसे ही मौकों पर होती है। अगर अपने ही लोगों पर कार्रवाई नहीं कर सकते, तो ये दावे सिर्फ भाषणों तक ही सीमित रह जाते हैं।

आखिर में, यह समझना जरूरी है कि सत्ता स्थायी नहीं होती, लेकिन उसके इस्तेमाल का तरीका इतिहास जरूर लिखता है। सवाल यह है–क्या यह इतिहास सम्मान का होगा या व्यंग्य का विषय बनेगा?

नजरिया

पश्चिम बंगाल चुनाव: सत्ता विरोधी लहर पर सवाल

बोध प्रकाश सगुणी

पश्चिम बंगाल की राजनीति एक बार फिर ऐसे मोड़ पर खड़ी है, जहां सिर्फ चुनावी गणित नहीं बल्कि जनभावनाएं, पहचान और विश्वास निर्णायक भूमिका निभाने वाले हैं। राज्य में सत्ताविरोधी माहौल की चर्चा तेज है, लेकिन सवाल यह है कि क्या यह असंतोष किसी ठोस राजनीतिक बदलाव में तब्दील हो पाएगा, या फिर मौजूदा नेतृत्व अपनी पकड़ बरकरार रखने में सफल रहेगा।

बीते कुछ वर्षों में बंगाल की राजनीति में जिस तरह का ध्रुवीकरण देखने को मिला है, उसने चुनावी परिदृश्य को जटिल बना दिया है। एक ओर विपक्ष पूरी ताकत से सत्ता परिवर्तन का दावा कर रहा है, तो दूसरी ओर सत्तारूढ़ दल अपनी योजनाओं, जनसंपर्क और मजबूत संगठन के दम पर मैदान में डटा हुआ है। यही कारण है कि चुनावी हवा भले ही बदलाव का संकेत देती दिखे, लेकिन जमीनी सच्चाई इतनी सीधी नहीं है।

सत्ताविरोधी लहर किसी भी लोकतंत्र में स्वाभाविक प्रक्रिया है। लंबे समय तक सत्ता में रहने वाली सरकारों के खिलाफ नाराजगी पनपना आम बात है। बंगाल में भी भ्रष्टाचार, प्रशासनिक अक्षमता, कानून–व्यवस्था और रोजगार जैसे मुद्दों को लेकर असंतोष सामने आया है। भर्ती घोटाले और स्थानीय स्तर पर कथित दबंगई जैसे आरोपों ने विपक्ष को हमले का मौका दिया है। लेकिन केवल असंतोष होना ही सत्ता परिवर्तन की गारंटी नहीं होता–उसे संगठित कर वोट में बदलना सबसे बड़ी चुनौती होती है।

विपक्ष के लिए सबसे बड़ी ताकत यह है कि वह जनता की नाराजगी को एक स्पष्ट विकल्प में बदल सके। आक्रामक प्रचार, बड़े नेताओं की रैलियां और मजबूत चुनावी रणनीति निश्चित रूप से माहौल बनाती हैं, लेकिन अंततः मतदाता स्थानीय मुद्दों और भरोसे के आधार पर निर्णय लेते हैं। यही कारण है कि राष्ट्रीय स्तर की राजनीति और राज्य स्तर की वास्तविकताएं अक्सर अलग–अलग परिणाम देती हैं।

दूसरी ओर, सत्तारूढ़ दल की सबसे बड़ी ताकत उसका जमीनी नेटवर्क और कल्याणकारी योजनाएं हैं। महिला मतदाताओं, ग्रामीण गरीबों और अल्पसंख्यक समुदायों के बीच योजनाओं का प्रभाव स्पष्ट रूप से दिखाई देता है। सीधे लाभ देने वाली योजनाओं ने एक स्थायी समर्थन आधार तैयार किया है, जिसे चुनाव के समय नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। यही वजह है कि तमाम आरोपों और विरोध के बावजूद सत्ताधारी दल पूरी तरह कमजोर नहीं दिखता।

बंगाल की राजनीति में पहचान और संस्कृति का मुद्दा भी बेहद अहम है। यहां क्षेत्रीय अस्मिता हमेशा से एक संवेदनशील विषय रही है। बाहरी बनाम स्थानीय का विमर्श समय–समय पर उभरता रहा है और इसका चुनावी असर भी देखा गया है। जो भी राजनीतिक दल इस भावनात्मक पहलू को बेहतर तरीके से समझता और साधता है, उसे लाभ मिलता है। इसके उलट, यदि कोई रणनीति स्थानीय संवेदनशीलताओं से मेल नहीं खाती, तो वह उल्टा असर भी डाल सकती है।

इसके अलावा, ध्रुवीकरण की राजनीति भी एक महत्वपूर्ण कारक है। कुछ क्षेत्रों में यह रणनीति असरदार साबित हो सकती है, लेकिन पूरे राज्य में इसकी सीमाएं हैं। बंगाल का सामाजिक ढांचा बहुस्तरीय है, जहां जाति, वर्ग, धर्म और क्षेत्रीय पहचान सभी मिलकर मतदान व्यवहार को प्रभावित करते हैं। इसलिए एक ही मुद्दे के आधार पर व्यापक समर्थन हासिल करना आसान नहीं होता।

राजनीतिक नेतृत्व की भूमिका भी इस चुनाव में निर्णायक रहने वाली है। करिश्माई नेतृत्व और व्यक्तिगत लोकप्रियता अभी भी भारतीय राजनीति में बड़ा असर रखती है। एक मजबूत और भरोसेमंद चेहरा मतदाताओं के फैसले को प्रभावित कर सकता है, खासकर तब जब विपक्ष एक स्पष्ट और सर्वस्वीकृत नेतृत्व प्रस्तुत करने में संघर्ष करता हो।

इसके साथ ही, चुनाव केवल बड़े मुद्दों का खेल नहीं होता, बल्कि स्थानीय समस्याओं और व्यक्तिगत अनुभवों का भी प्रभाव पड़ता है। गांवों में विकास की असमानता, युवाओं के लिए रोजगार के अवसर, छोटे व्यापारियों की परेशानियां–ये सभी मुद्दे मतदाताओं के मन में गहराई से जुड़े होते हैं। जो दल इन सवालों का विश्वसनीय समाधान प्रस्तुत करता है, वही जनता का भरोसा जीतने में सफल होता है।

विपक्ष के सामने एक और चुनौती संगठनात्मक मजबूती की है। केवल चुनावी समय पर सक्रिय होना पर्याप्त नहीं होता। बूथ स्तर तक मजबूत नेटवर्क, स्थानीय नेतृत्व और कार्यकर्ताओं की सक्रियता चुनावी सफलता की रीढ़ होती है। सत्तारूढ़ दल इस मामले में अपेक्षाकृत मजबूत स्थिति में दिखाई देता है, जिसका उसे सीधा लाभ मिल सकता है।

वहीं, मतदाताओं के बीच यह धारणा भी महत्वपूर्ण होती है कि कौन सा दल स्थिर और प्रभावी सरकार दे सकता है। लोग केवल बदलाव के लिए बदलाव नहीं चाहते, बल्कि वे ऐसा विकल्प चाहते हैं जो बेहतर प्रशासन और विकास का भरोसा दिला सके। यदि विपक्ष यह भरोसा देने में सफल होता है, तभी सत्ताविरोधी लहर का पूरा फायदा उठा सकता है।

मीडिया, सोशल मीडिया और प्रचार तंत्र भी इस चुनाव में बड़ी भूमिका निभा रहे हैं। नैरेटिव बनाने की लड़ाई अब केवल जमीनी स्तर तक सीमित नहीं रही, बल्कि डिजिटल प्लेटफॉर्म पर भी उतनी ही महत्वपूर्ण हो गई है। जनता के बीच कौन सा संदेश अधिक प्रभावी तरीके से पहुंचता है, यह चुनावी परिणामों को प्रभावित कर सकता है।

अंततः, बंगाल की चुनावी लड़ाई सिर्फ राजनीतिक दलों के बीच नहीं, बल्कि विचारधाराओं, भावनाओं और उम्मीदों के बीच है। यह चुनाव यह तय करेगा कि जनता स्थिरता को प्राथमिकता देती है या बदलाव को, स्थानीय नेतृत्व को महत्व देती है या राष्ट्रीय प्रभाव को, और कल्याणकारी योजनाओं को अधिक अहम मानती है या प्रशासनिक सुधारों को।

इस पूरे परिदृश्य में एक बात स्पष्ट है–सत्ताविरोधी माहौल अपने आप में निर्णायक नहीं होता। उसे दिशा देने के लिए मजबूत रणनीति, विश्वसनीय नेतृत्व और जमीनी पकड़ की जरूरत होती है। वहीं सत्तारूढ़ दल के लिए भी यह चुनाव आसान नहीं है, क्योंकि उसे न केवल अपने काम का बचाव करना है, बल्कि जनता का विश्वास बनाए रखना भी उतना ही जरूरी है।

आखिरकार, लोकतंत्र की सबसे बड़ी ताकत यही है कि अंतिम फैसला जनता के हाथ में होता है। बंगाल के मतदाता इस बार किस दिशा में अपना जनादेश देंगे, यह केवल राजनीतिक समीकरणों से नहीं बल्कि उनके अनुभवों, उम्मीदों और विश्वास से तय होगा। यही इस चुनाव की असली कहानी है–जहां हर वोट सिर्फ सरकार नहीं, बल्कि भविष्य की दिशा भी तय करेगा।

विचार विण्डो

ग्रामीण स्कूलों में खेल सुविधाओं का अभाव बना बड़ी चुनौती

राम कुमार शर्मा

भारत एक युवा देश है, जहां प्रतिभा की कोई कमी नहीं है। खासकर ग्रामीण भारत की मिट्टी ने समय–समय पर ऐसे खिलाड़ियों को जन्म दिया है, जिन्होंने देश का नाम अंतरराष्ट्रीय मंच पर रोशन किया। इसके बावजूद एक सच्चाई यह भी है कि आज भी देश के लाखों ग्रामीण विद्यालय बुनियादी खेल सुविधाओं से वंचित हैं। यह स्थिति न केवल खेल प्रतिभाओं के विकास में बाधा बन रही है, बल्कि बच्चों के समग्र शारीरिक और मानसिक विकास को भी प्रभावित कर रही है।

सरकारी आंकड़ों के अनुसार, देश के करीब 30 प्रतिशत से अधिक सरकारी स्कूलों के पास अपना खेल मैदान ही नहीं है। जहां मैदान हैं भी, वहां उनकी हालत बेहद खराब है। कई स्कूलों के मैदान झाड़ियों से भरे हुए हैं, कहीं ऊबड़–खाबड़ जमीन है तो कहीं स्थानीय लोगों ने कब्जा कर रखा है। बाउंड्री वॉल न होने के कारण स्कूल परिसर सुरक्षित नहीं रह पाता और अक्सर असामाजिक तत्व भी वहां पहुंच जाते हैं। ऐसे में बच्चों को मजबूर होकर सड़कों, गलियों या खाली पड़ी जमीन पर खेलना पड़ता है, जो न तो सुरक्षित है और न ही खेल के लिए उपयुक्त। खेल सुविधाओं की कमी केवल मैदान तक सीमित नहीं है। ग्रामीण स्कूलों में खेल उपकरणों की स्थिति भी बेहद चिंताजनक है। कई स्कूलों में खेल के नाम पर केवल एक पुरानी फुटबॉल या टूटा–फूटा क्रिकेट बैट ही उपलब्ध होता है। बास्केटबॉल, वॉलीबॉल, कबड्डी या एथलेटिक्स जैसे खेलों के लिए आवश्यक संसाधन लगभग नदारद हैं। यह स्थिति इसलिए भी उत्पन्न होती है क्योंकि शिक्षा के लिए निर्धारित बजट का बड़ा हिस्सा शिक्षकों के वेतन, मिड–डे मील और अन्य अनिवार्य योजनाओं में खर्च हो जाता है, जिससे खेलों के लिए बहुत कम धनराशि बचती है।

इसके साथ ही प्रशिक्षित खेल शिक्षकों की भारी कमी भी एक बड़ी समस्या है। ग्रामीण क्षेत्रों के लगभग आधे माध्यमिक विद्यालयों में शारीरिक शिक्षा के प्रशिक्षक नहीं हैं। जिन स्कूलों में शिक्षक हैं भी, वहां अक्सर उन्हें अन्य शैक्षणिक कार्यों में व्यस्त कर दिया जाता है। परिणामस्वरूप, बच्चों को खेलों की तकनीकी जानकारी, नियमों और प्रशिक्षण का उचित अवसर नहीं मिल पाता। ऐसे में जो बच्चे स्वाभाविक रूप से प्रतिभाशाली होते हैं, वे भी उचित मार्गदर्शन के अभाव में आगे नहीं बढ़ पाते। सामाजिक दृष्टिकोण भी इस समस्या को और गहरा बनाता है। ग्रामीण समाज में आज

भी पढ़ाई को ही सफलता का एकमात्र रास्ता माना जाता है। खेलों को अक्सर समय की बर्बादी या पढ़ाई में बाधा समझा जाता है। माता–पिता भी बच्चों को खेलों में समय देने के बजाय पढ़ाई पर अधिक ध्यान देने के लिए प्रेरित करते हैं। यह मानसिकता बच्चों के आत्मविश्वास और उनके छिपे हुए कौशल को विकसित होने से रोकती है। हालांकि सरकार द्वारा खेलों को बढ़ावा देने के लिए कई योजनाएं चलाई जा रही हैं, लेकिन इनका प्रभाव ग्रामीण क्षेत्रों में सीमित ही दिखाई देता है। योजनाओं का क्रियान्वयन धीमा है और कई बार संसाधनों का सही उपयोग नहीं हो पाता। कई गांवों में खेल प्रतियोगिताएं या प्रशिक्षण शिविर नियमित रूप से आयोजित नहीं होते, जिससे बच्चों को प्रतिस्पर्धात्मक माहौल नहीं मिल पाता। खेल सुविधाओं की कमी का असर केवल प्रतिभा के विकास तक ही सीमित नहीं है, बल्कि यह बच्चों के स्वास्थ्य पर भी सीधा प्रभाव डालता है। खेल गतिविधियों से दूर रहने के कारण बच्चों में शारीरिक कमजोरी, मोटापा और अन्य स्वास्थ्य समस्याएं बढ़ रही हैं। इसके साथ ही वे मोबाइल फोन, टीवी और अन्य डिजिटल माध्यमों की ओर अधिक आकर्षित हो रहे हैं, जिससे उनकी सक्रियता कम होती जा रही है। यह स्थिति लंबे समय में समाज के लिए गंभीर चिंता का विषय बन सकती है। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि भारत को खेलों के क्षेत्र में वैश्विक स्तर पर अपनी पहचान मजबूत करनी है, तो ग्रामीण क्षेत्रों पर विशेष ध्यान देना होगा। इसके लिए सबसे पहले हर स्कूल में एक सुरक्षित और समतल खेल मैदान की व्यवस्था सुनिश्चित करनी होगी। साथ ही खेल उपकरणों की पर्याप्त उपलब्धता भी जरूरी है। पंचायत स्तर पर खेल बजट बढ़ाया जाना चाहिए और स्थानीय प्रशासन को इस दिशा में सक्रिय भूमिका निभानी चाहिए।

इसके अलावा, प्रत्येक स्कूल में प्रशिक्षित खेल शिक्षक की नियुक्ति अनिवार्य की जानी चाहिए। बच्चों को नियमित प्रशिक्षण, प्रतियोगिताओं और खेल शिविरों के माध्यम से प्रोत्साहित किया जाना चाहिए। निजी क्षेत्र को भी खेल बुनियादी ढांचे के विकास में निवेश के लिए प्रेरित किया जा सकता है। कॉर्पोरेट सामाजिक दायित्व के तहत कंपनियां ग्रामीण स्कूलों में खेल सुविधाओं को बेहतर बनाने में योगदान दे सकती हैं। सामाजिक सोच में बदलाव लाना भी उतना ही जरूरी है। अभिभावकों और समाज को यह समझना होगा कि खेल केवल मनोरंजन का साधन नहीं है, बल्कि यह बच्चों के व्यक्तित्व विकास, अनुशासन और आत्मविश्वास को बढ़ाने का एक महत्वपूर्ण माध्यम है। खेलों के माध्यम से बच्चे टीमवर्क, नेतृत्व और संघर्ष जैसे गुण सीखते हैं, जो जीवन के हर क्षेत्र में उनके काम आते हैं।

अंततः, यह कहा जा सकता है कि ग्रामीण भारत में खेल सुविधाओं का अभाव एक गंभीर चुनौती है, जिसे नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। यदि समय रहते इस दिशा में ठोस कदम नहीं उठाए गए, तो देश की अनगिनत प्रतिभाएं उभरने से पहले ही खो जाएंगी। जरूरत है एक समग्र और दीर्घकालिक रणनीति की, जिसमें सरकार, समाज और निजी क्षेत्र मिलकर काम करें।

जब गांव के हर स्कूल में खेल का मैदान, पर्याप्त उपकरण और प्रशिक्षित कोच उपलब्ध होंगे, तभी भारत सही मायनों में एक मजबूत खेल राष्ट्र बन सकेगा।

खतरनाक पिच पर बड़ा हादसा

बल्लेबाज के सिर में लगी गेंद, मैच रद्द

बाउंसर गेंद बल्लेबाज जेरेमिया लुईस के हेलमेट पर लगी

यूनिक समय, नई दिल्ली। वेस्टइंडीज में खेले जा रहे एक घरेलू क्रिकेट मैच के दौरान एक गंभीर हादसा सामने आया, जिसने खिलाड़ियों की सुरक्षा पर सवाल खड़े कर दिए हैं। त्रिनिदाद एंड टोबैगो और लीवर्ड आइलैंड्स के बीच एंटीगुआ के सर विवियन रिचर्ड्स स्टेडियम में चल रहे मुकाबले में तेज गेंदबाज जेडन सील्स की बाउंसर गेंद सीधे बल्लेबाज जेरेमिया लुईस के हेलमेट पर जा लगी। चोट इतनी गंभीर थी कि उन्हें तुरंत अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा।

मैच के दौरान पिच पर असामान्य उछाल देखने को मिल रहा था, जिससे बल्लेबाजों को काफी परेशानी हो रही थी। इसी बीच एक तेज बाउंसर अचानक अधिक उछली और जेरेमिया लुईस को संभलने का मौका तक नहीं मिला। गेंद हेलमेट पर लगते ही वे गिर पड़े और दर्द से कराह उठे। इसके बाद उन्हें स्ट्रेचर पर मैदान से बाहर ले जाया गया और एंबुलेंस से अस्पताल पहुंचाया गया। घटना के बाद अंपायर और मैच रेफरी ने स्थिति की समीक्षा की। दोनों टीमों के कप्तानों से चर्चा के बाद यह फैसला लिया गया कि पिच बेहद खतरनाक है और खेल जारी रखना खिलाड़ियों के लिए जोखिम भरा हो सकता है। इसके चलते तीसरे दिन ही मैच को रद्द कर ड्रॉ घोषित कर दिया गया। यह हादसा अचानक नहीं हुआ। मैच के शुरुआती दिनों से ही पिच पर असमान उछाल की समस्या सामने आ रही थी।

बल्लेबाजों के लिए खेलना मुश्किल हो रहा था और तीसरे दिन तक कुल 27 विकेट गिर चुके थे, जो पिच की खतरनाक स्थिति को दर्शाता है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, जेरेमिया लुईस की हालत अब स्थिर है और चिंता की कोई बड़ी बात नहीं है, हालांकि वे अभी अस्पताल में निगरानी में हैं। इस घटना के बाद क्रिकेट बोर्ड और अधिकारियों पर दबाव बढ़ गया है कि भविष्य में ऐसी पिचों की बेहतर जांच हो, ताकि खिलाड़ियों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।

'डकैत' रिव्यू: प्यार, धोखा और बदले की कहानी में दमदार अभिनय

यूनिक समय, नई दिल्ली। अदिवी शेष और मृणाल ठाकुर की फिल्म 'डकैत' एक रोमांटिक एक्शन ड्रामा है, जो प्यार, विश्वासघात और बदले की कहानी को दर्शाती है। फिल्म की कहानी भले ही जानी-पहचानी हो, लेकिन इसका प्रस्तुतीकरण और अभिनय इसे देखने लायक बनाते हैं।

फिल्म हरि और सरस्वती की प्रेम कहानी से शुरू होती है, जो मासूमियत और गहरे जुड़ाव से भरी है। लेकिन एक घटना सब कुछ बदल देती है और हरि को जेल पहुंचा देती है। 13 साल बाद जब वह लौटता है, तो उसके मन में सिर्फ बदले की आग होती है। दूसरी ओर, सरस्वती अब एक अलग जिंदगी जी रही होती है। दोनों के बीच का टकराव और भावनात्मक संघर्ष ही फिल्म का मुख्य आधार है।

अदिवी शेष ने एक गुस्सैल और बागी किरदार को शानदार तरीके से निभाया है। उनका स्क्रीन प्रेजेंस फिल्म को मजबूती देता है। वहीं मृणाल ठाकुर ने भी अपने किरदार में गहराई दिखाई है और कहानी को संतुलन दिया है। दोनों की केमिस्ट्री फिल्म की सबसे बड़ी ताकत बनकर उभरती है। निर्देशक ने फिल्म को रोचक बनाने की कोशिश की है, लेकिन पटकथा कुछ जगह कमजोर पड़ती है।

खासकर बीच के हिस्से में कहानी थोड़ी खिंची हुई लगती है और कुछ दृश्य अनावश्यक प्रतीत होते हैं। हालांकि, फिल्म का क्लाइमेक्स इसे संभाल लेता है। 'डकैत' एक मसाला एंटरटेनर है, जो तर्क से ज्यादा भावनाओं और एक्शन पर आधारित है। अगर आप हल्की-फुल्की लॉजिक के साथ मनोरंजन चाहते हैं, तो यह फिल्म आपको पसंद आ सकती है।

टी20 सीरीज के लिए बांग्लादेश टीम का ऐलान, लिटन दास को मिली कप्तानी

पहला मुकाबला 27 अप्रैल को चटगांव में खेला जाएगा

यूनिक समय, नई दिल्ली। बांग्लादेश और न्यूजीलैंड के बीच चल रही वनडे सीरीज के बीच ही बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड ने टी20 सीरीज के लिए टीम का ऐलान कर दिया है। इस सीरीज में टीम की कमान लिटन दास के हाथों में सौंपी गई है। फिलहाल पहले दो मैचों के लिए ही टीम घोषित की गई है, जबकि तीसरे मुकाबले के लिए बाद में फैसला लिया जाएगा।

बांग्लादेश और न्यूजीलैंड के बीच टी20 सीरीज का पहला मुकाबला 27 अप्रैल को चटगांव में खेला जाएगा। दूसरा मैच 29 अप्रैल को इसी मैदान पर होगा, जबकि तीसरा और अंतिम मैच 2 मई को ढाका में आयोजित किया जाएगा। यह सीरीज वनडे मुकाबलों के बाद खेली जाएगी, जिससे दोनों टीमों को फॉर्म जारी रखने का मौका मिलेगा। इस बार चयनकर्ताओं ने टीम में कई नए और युवा खिलाड़ियों को मौका दिया है। तेज गेंदबाज अब्दुल गफ्फार सकलैन को टीम में शामिल किया गया है, जो गेंदबाजी के साथ-साथ निचले क्रम में बल्लेबाजी भी कर सकते हैं। इसके अलावा रिपन मोंडल की भी टीम में वापसी हुई है, जिन्हें डेथ ओवर स्पेशलिस्ट माना जाता है। उनके हालिया प्रदर्शन को देखते हुए उन्हें फिर से मौका दिया गया है। टीम चयन में कुछ बड़े खिलाड़ियों को आराम दिया गया है। मुस्तफिजुर रहमान, तस्कीन अहमद और नाहिद राणा जैसे प्रमुख गेंदबाज पहले दो मैचों में नहीं खेलेंगे। उम्मीद है कि वे तीसरे मुकाबले में टीम से जुड़ सकते हैं। यह कदम खिलाड़ियों के वर्कलोड को ध्यान में रखते हुए उठाया गया है। इस समय दोनों टीमों के बीच वनडे सीरीज खेली जा रही है, जिसमें मुकाबला बेहद रोमांचक बना हुआ है। पहला मैच न्यूजीलैंड ने जीता, जबकि दूसरे में बांग्लादेश ने शानदार वापसी की। अब तीसरा और निर्णायक मुकाबला 23 अप्रैल को खेला जाएगा, जो सीरीज का फैसला करेगा।

12 साल बाद नाम जुड़ने पर भड़कीं विराट कोहली की एक्स, बोलीं— अब आगे बढ़ो

यूनिक समय, नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेटर विराट कोहली एक बार फिर सुर्खियों में हैं, लेकिन इस बार वजह उनका खेल नहीं बल्कि सोशल मीडिया गतिविधि है। हाल ही में उनके एक इंस्टाग्राम लाइक को लेकर चर्चा शुरू हुई, जिसमें उनकी एक्स गर्लफ्रेंड इजाबेल लीट का नाम भी घसीटा गया। इस पर इजाबेल ने नाराजगी जाहिर करते हुए लोगों को फटकार लगाई है। सोशल मीडिया पर एक पोस्ट वायरल हुई, जिसमें विराट कोहली से जुड़ी कुछ महिलाओं की तस्वीरें शामिल थीं। इस पोस्ट में इजाबेल लीट का नाम भी जोड़ा गया, जिससे वह काफी नाराज हो गईं। उन्होंने प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि 12 साल बाद भी उनका नाम इस तरह जोड़ना गलत है और लोगों को अब आगे बढ़ जाना चाहिए।

इजाबेल ने कमेंट में साफ कहा कि लोग पुराने रिश्तों को बार-बार क्यों उछालते हैं। उनका कहना था कि इतने साल बीत जाने के बाद भी इस तरह की बातें करना गैरजरूरी है। उनका यह बयान सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गया। बताया जाता है कि विराट और इजाबेल ने 2012 से 2014 के बीच एक-दूसरे को डेट किया था। इसके बाद दोनों अपनी-अपनी जिंदगी में आगे बढ़ गए। इजाबेल अब शादीशुदा हैं और अपने परिवार के साथ खुशहाल जीवन जी रही हैं।

विराट कोहली ने 2017 में अनुष्का शर्मा से शादी की थी और दोनों के दो बच्चे हैं। वहीं, सोशल मीडिया पर उनके लाइक्स को लेकर पहले भी विवाद हो चुके हैं। हालांकि इस बार उन्होंने कोई प्रतिक्रिया नहीं दी।

दर्जी बनने वाला लड़का बना सुपरस्टार, बेटी ने भी रचा इतिहास

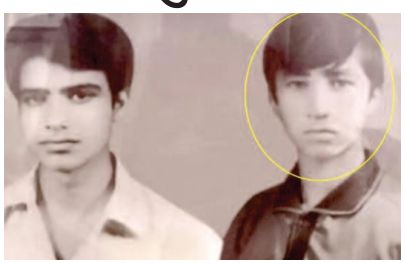

यूनिक समय, नई दिल्ली। बॉलीवुड में कई ऐसे सितारे हैं, जिन्होंने संघर्ष के दम पर अपनी अलग पहचान बनाई। ऐसी ही कहानी है शक्ति कपूर की, जिन्हें उनके पिता दर्जी बनाना चाहते थे, लेकिन किस्मत उन्हें फिल्मी दुनिया में ले आई। सुई-धागे से शुरू होने वाला सफर उन्हें बॉलीवुड के मशहूर विलेन और कॉमेडियन के रूप में पहचान दिला गया। शक्ति कपूर का असली नाम सुनील सुंदरलाल कपूर था। उन्होंने 1977 में फिल्म 'खेल खिलाड़ी' से डेब्यू किया, लेकिन असली पहचान 1980 की फिल्म 'कुर्बानी' से मिली। अपने करियर में उन्होंने 700 से ज्यादा फिल्मों में काम किया और 'क्राइम मास्टर गोगो' जैसे किरदारों से दर्शकों के दिलों में खास जगह बनाई। वह 80-90 के दशक के सबसे चर्चित खलनायकों में गिने जाते हैं। शक्ति कपूर की बेटी श्रद्धा कपूर आज बॉलीवुड की बड़ी स्टार बन चुकी हैं। उन्होंने 2010 में 'तीन पत्ती' से करियर शुरू किया, लेकिन 'आशिकी 2' से उन्हें बड़ी सफलता मिली। इसके बाद उन्होंने कई हिट फिल्में दीं। 850 करोड़ की ब्लॉकबस्टर श्रद्धा कपूर की फिल्म 'स्त्री 2' ने बॉक्स ऑफिस पर 850 करोड़ रुपये से ज्यादा की कमाई कर इतिहास रच दिया। इससे उन्होंने साबित कर दिया कि वह स्टारडम में अपने पिता से भी आगे निकल चुकी हैं।

कॉन्सर्ट में परफॉर्मेंस पर बवाल: सिंगर पर लिप-सिंक और 'फेक' शो के आरोप

यूनिक समय, नई दिल्ली। अहमदाबाद में आयोजित एक लाइव कॉन्सर्ट के बाद मशहूर सिंगर जैस्मीन सैंडलस विवादों में घिर गई हैं। सोशल मीडिया पर वायरल हुए वीडियो के बाद दर्शकों का गुस्सा फूट पड़ा है और कई लोगों ने खुद को ठगा हुआ महसूस करने की बात कही है। आरोप है कि कॉन्सर्ट में लाइव सिंगिंग की बजाय लिप-सिंक किया गया और परफॉर्मेंस के दौरान अजीब हरकतें की गईं।

19 अप्रैल को हुए इस कॉन्सर्ट में जैस्मीन सैंडलस अपने लोकप्रिय गाने 'शरारत' पर परफॉर्म कर रही थीं। परफॉर्मेंस के दौरान उन्होंने मंच पर खुद पर पानी डाल लिया, जिससे दर्शक हैरान रह गए। इसके बाद वीडियो में देखा गया कि कई बार उनका माइक्रोफोन नीचे था, लेकिन गाना लगातार बजता रहा। इससे लोगों को शक हुआ कि वे लाइव गाने की बजाय सिर्फ होंठ हिला रही थीं।

वीडियो सामने आते ही इंटरनेट पर लोगों ने सिंगर की जमकर आलोचना शुरू कर दी। कई यूजर्स ने सवाल उठाया कि जब लोग महंगे टिकट खरीदकर लाइव कॉन्सर्ट देखने जाते हैं, तो उन्हें रिकॉर्डेड गाना क्यों सुनाया जाता है। कुछ लोगों ने इसे "फेक परफॉर्मेंस" बताया, तो वहीं मंच पर पानी डालने की हरकत को भी "अजीब" और "ओवरड्रामेटिक" कहा गया। कई यूजर्स ने पैसे वापस करने की मांग तक कर डाली। हालांकि आलोचना के बीच सिंगर के कुछ प्रशंसकों ने उनका समर्थन भी किया है। उनका कहना है कि कॉन्सर्ट का माहौल बेहद शानदार था और लोगों ने शो का आनंद लिया।

समर्थकों के मुताबिक बड़े स्टेज शो में बैकग्राउंड ट्रैक का इस्तेमाल आम बात है, खासकर जब कलाकार को डांस और परफॉर्मेंस भी करना होता है। यह विवाद ऐसे समय सामने आया है जब जैस्मीन सैंडलस अपने गानों की सफलता को लेकर चर्चा में हैं। उन्होंने कई हिट गाने दिए हैं और हालिया प्रोजेक्ट्स के कारण उनकी लोकप्रियता काफी बढ़ी है। हालांकि, इस घटना के बाद उनकी परफॉर्मेंस शैली और प्रोफेशनलिज्म पर सवाल उठने लगे हैं।

साक्षी शिवानंद ने अंडरवर्ल्ड के डर से छोड़ा था बॉलीवुड

यूनिक समय, नई दिल्ली। 90 के दशक में साक्षी शिवानंद ने अपनी खूबसूरती और दमदार अभिनय से फिल्म इंडस्ट्री में तेजी से पहचान बनाई। उन्होंने 1993 में तेलुगु फिल्म 'अन्ना वदिना' से करियर की शुरुआत की और जल्द ही बॉलीवुड में भी कदम रखा। 'जनम कुंडली' और 'पापा कहते हैं' जैसी फिल्मों से उन्होंने लोकप्रियता हासिल की। साक्षी ने हिंदी के साथ-साथ तमिल और तेलुगु फिल्मों में भी बड़े सितारों के साथ काम किया। उनकी बढ़ती सफलता के बीच उन्हें अंडरवर्ल्ड से जुड़े फोन आने लगे, जिससे वह डर गईं। एक फिल्म के प्रोड्यूसर के अंडरवर्ल्ड से संबंध होने की जानकारी मिलने के बाद उन्होंने बॉलीवुड से दूरी बना ली।

कानपुर का चर्चित किडनी कांड

बिना डिग्री 'डॉक्टर' ने किए 13 ट्रांसप्लांट, दो की हुई मौत

यूनिक समय, कानपुर। कानपुर में सामने आए चर्चित 'किडनी कांड' ने स्वास्थ्य व्यवस्था की गंभीर खामियों को उजागर कर दिया है। इस मामले में गिरफ्तार ओटी मैनेजर मुदस्सर अली सिद्दीकी उर्फ 'डॉ. अली' ने पूछताछ में चौंकाने वाले खुलासे किए हैं। आरोपी ने स्वीकार किया है कि उसने बिना किसी मेडिकल डिग्री के अवैध रूप से 13 किडनी ट्रांसप्लांट किए, जिनमें से दो मरीजों की मौत हो गई।

पुलिस जांच में सामने आया कि अली ने मेरठ के एक अस्पताल में ओटी मैनेजर रहते हुए ऑपरेशन की प्रक्रिया सीखी। इसके बाद उसने कानपुर और मेरठ के कई अस्पतालों में अवैध ट्रांसप्लांट का सिलसिला शुरू किया।

उसने 3 ट्रांसप्लांट मेरठ में और 10 कानपुर के अलग–अलग अस्पतालों में किए।

पूछताछ में आरोपी ने बताया कि 2023 में कानपुर के एक अस्पताल में एक मरीज की मौत हुई थी। वहीं 2025 में एक महिला मरीज का ट्रांसप्लांट करने के बाद उसकी हालत बिगड़ी और बाद में दिल्ली के अस्पताल में उसकी जान चली गई। इन घटनाओं के बाद पूरे मामले की गंभीरता सामने आई। जांच में यह भी सामने आया कि अली

डॉ. अली ने पूछताछ में चौंकाने वाले खुलासे किए

अकेला नहीं था, बल्कि उसने अन्य लोगों के साथ मिलकर एक नेटवर्क तैयार किया था।

इस गिरोह में दलालों और कुछ अस्पतालों की भूमिका भी संदिग्ध बताई जा रही है। अब तक इस मामले में डॉक्टर दंपती सहित 11 लोगों को गिरफ्तार कर जेल भेजा जा चुका है। पुलिस अब इस गिरोह के मुख्य सरगना और अन्य सहयोगियों की तलाश में जुटी है। आरोपी के मोबाइल और कॉल रिकॉर्ड खंगाले जा रहे हैं ताकि पूरे नेटवर्क का खुलासा हो सके।

महिला आरक्षण पर बसपा का रुख कायम

बसपा कार्यकर्ता धरना प्रदर्शन से दूरी बनाएं : मायावती

यूनिक समय, लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी की प्रमुख मायावती ने महिला आरक्षण के मुद्दे पर पार्टी का रुख साफ करते हुए कहा है कि इसमें कोई बदलाव नहीं हुआ है। उन्होंने स्पष्ट किया कि 15 अप्रैल को जो स्टैंड पार्टी ने लिया था, वही अब भी लागू है और कार्यकर्ताओं को इस मुद्दे पर भ्रमित होने की जरूरत नहीं है।

मायावती ने पार्टी पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं को सख्त निर्देश दिए हैं कि महिला आरक्षण के समर्थन के बावजूद किसी भी तरह का धरना–प्रदर्शन न किया जाए। उन्होंने कहा कि पार्टी अनुशासन सर्वोपरि है और सभी को संगठन को मजबूत करने पर ध्यान देना चाहिए। दिल्ली रवाना होने से पहले जारी संदेश में उन्होंने कहा कि 31 मार्च को लखनऊ में हुई प्रदेश स्तरीय बैठक में संगठन विस्तार, कैडर मजबूत करने और आगामी चुनावों की तैयारी को लेकर जो दिशा–निर्देश दिए गए थे, उन पर पूरी निष्ठा से काम किया जाए। उन्होंने कार्यकर्ताओं से यह भी कहा कि वे

कहा, पार्टी अनुशासन सर्वोपरि है सभी को संगठन मजबूत करने पर ध्यान देना चाहिए

जनता के बीच जाकर बसपा सरकार के कार्यों को प्रमुखता से रखें। मायावती ने दावा किया कि प्रदेश में बने एक्सप्रेसवे और नोएडा में प्रस्तावित एयरपोर्ट जैसी कई बड़ी योजनाएं बसपा सरकार के दौरान ही तैयार की गई थीं। साथ ही उन्होंने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि केंद्र में रहते हुए कांग्रेस ने बसपा सरकार के विकास कार्यों में बाधाएं डालीं। मायावती ने दोहराया कि पार्टी का मुख्य लक्ष्य संगठन को मजबूत करना और चुनावों के लिए तैयारी करना है, न कि विरोध प्रदर्शन करना।

29वीं मंजिल से गिरकर बुजुर्ग महिला की मौत, परिवार में मचा कोहराम

यूनिक समय, लखनऊ। गाजियाबाद के इंदिरापुरम क्षेत्र स्थित ट्राइन टावर सोसायटी में एक दर्दनाक हादसे में 65 वर्षीय बुजुर्ग महिला की मौत हो गई। वसुंधरा सेक्टर–15 निवासी फूलवती अपनी बेटी की शादी की सालगिरह मनाने आई थीं, लेकिन यह खुशी का मौका मातम में बदल गया।

घटना बुधवार तड़के करीब 3 बजे की है, जब फूलवती 29वीं मंजिल से नीचे गिर गईं। गिरते समय वह नीचे खड़ी एक कार पर आ गिरीं, जिससे मौके पर ही उनकी मौत हो गई। तेज आवाज सुनकर सुरक्षाकर्मी मौके पर पहुंचे और पुलिस को सूचना दी। पुलिस के अनुसार, फूलवती अपने बेटे के साथ वसुंधरा में रहती थीं और 19 अप्रैल को बेटी भावना के घर आई थीं। प्रारंभिक जांच में सामने आया

है कि उनके पति का कुछ समय पहले निधन हो गया था, जिसके बाद से वह मानसिक तनाव में थीं। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। शुरुआत में परिवार ने पोस्टमार्टम से इनकार किया, लेकिन बाद में समझाने पर वे तैयार हो गए। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है और घटना के सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए आगे की कार्रवाई की जा रही है।

दहेज हत्या में पति, सास और ननद को 10–10 साल की सजा

यूनिक समय, अंबेडकरनगर। दहेज प्रताड़ना और हत्या के एक मामले में अदालत ने सख्त फैसला सुनाया है। अपर सत्र न्यायाधीश रामविलास सिंह की अदालत ने पति, सास और ननद को दोषी करार देते हुए प्रत्येक को 10–10 वर्ष के कारावास की सजा सुनाई। साथ ही तीनों पर चार–चार हजार रुपये का अर्थदंड भी लगाया गया है। मामले के अनुसार, अकबरपुर के बरवा नासिरपुर निवासी दिलीप कुमार ने अपनी बहन ममता (25) की शादी 4 मई 2016 को बनगांव डिहवा निवासी सूरज उर्फ विपेंद्र के साथ की थी।

31 लाख की ठगी: दोस्ती का भरोसा टूटा, आठ साल में हड़पे लाखों

यूनिक समय, कानपुर। संत कबीर नगर से ठगी का एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है, जहां एक व्यक्ति ने अपने ही परिचित को लाखों रुपये का चूना लगा दिया। पीड़ित शेषनाथ मिश्रा, जो अमेरिका में रहकर काम करते हैं, उनके साथ यह धोखाधड़ी लंबे समय तक चलती रही। शिकायत के अनुसार, आरोपी अनुपम ने पारिवारिक संबंधों का फायदा उठाते हुए व्यवसाय में निवेश का झांसा दिया। इस भरोसे में आकर शेषनाथ मिश्रा ने अलग–अलग समय पर करीब 31.21 लाख रुपये उसे दे दिए। यह सिलसिला करीब आठ साल तक चलता रहा। जब पीड़ित ने अपनी रकम वापस मांगी तो आरोपी टालमटोल करने लगा। काफी समय बीतने के बाद भी पैसे नहीं लौटाए गए। पीड़ित की ओर से कानूनी नोटिस भेजा गया, लेकिन कोई जवाब नहीं मिला।

व्यवसाय में निवेश का झांसा देकर की गई ठगी

आरोप है कि जब परिवार ने दबाव बनाया तो उन्हें धमकी भी दी गई। आखिरकार पीड़ित की बहन शिवानी मिश्रा ने गोरखनाथ स्थित जनता दरबार में शिकायत दर्ज कराई। इसके बाद पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए जांच शुरू की। पुलिस ने अनुपम के साथ–साथ सिरजा देवी, वैभव और विवेकानंद के खिलाफ धोखाधड़ी का मामला दर्ज किया है। मामले की जांच जारी है और साक्ष्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

गेहूं के डंठलों में लगी आग बनी आफत, पांच लोग झुलसे

यूनिक समय, गोरखपुर। गोरखपुर के एम्स थाना क्षेत्र के रामूडीहा गांव में गेहूं के डंठलों में लगी आग ने देखते ही देखते विकराल रूप ले लिया। तेज हवा के कारण आग तेजी से फैलती हुई कई गांवों तक पहुंच गई, जिससे बड़ा हादसा हो गया। इस घटना में दो युवक और तीन बच्चे झुलस गए।

जानकारी के अनुसार, पिपराइच क्षेत्र के बसडीला रौसढ़ में सबसे पहले गेहूं के डंठलों में आग लगी थी। हवा के झोंकों ने आग को इतना भड़काया कि वह रामूडीहा तक पहुंच गई। इसी दौरान स्कूल से घर लौट रहे आयुष (7), शिवांगी (8) और काजल (9) आग की चपेट में आ गए। बच्चों को बचाने के प्रयास में गांव के दिलीप कुमार (25) भी झुलस गए। वहीं रामू यादव (17) भी आग से गंभीर रूप से घायल हो गया। सभी घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। आग की लपटों ने गांव में भारी नुकसान भी पहुंचाया। कपिलदेव ओझा का टिनशेड मकान पूरी तरह जलकर राख हो गया, जिसमें रखा घरेलू सामान, अनाज और कपड़े नष्ट हो गए। इसके अलावा रमाशंकर ओझा की बांस की कोठी भी जल गई। आग रामूडीहा से आगे बढ़ते हुए रामपुर बुजुर्ग, रसूलपुर और सुरसर देवरी होते हुए कुशीनगर सीमा तक फैल गई। ग्रामीणों ने नहर से पानी लाकर आग बुझाने की कोशिश की, जिससे कुछ हद तक हालात काबू में आए। सूचना मिलने पर प्रशासन और दमकल विभाग की टीम मौके पर पहुंची, लेकिन तब तक आग काफी नुकसान कर चुकी थी। अधिकारियों ने मामले की जांच शुरू कर दी है और लोगों से सावधानी बरतने की अपील की है।

केजीएमयू में फर्जी डॉक्टर पकड़ा

धर्मांतरण रैकेट की आशंका से हड़कंप

यूनिक समय, लखनऊ। लखनऊ स्थित केजीएमयू एक बार फिर विवादों में है। यहां प्रशासन ने एक फर्जी डॉक्टर को पकड़ा है, जिस पर अवैध धर्मांतरण रैकेट से जुड़े होने की आशंका जताई जा रही है। आरोपी हस्साम अहमद, जो केवल 12वीं पास है, खुद को वरिष्ठ डॉक्टर बताकर छात्रों और मरीजों को झांसे में ले रहा था।

जांच में सामने आया कि आरोपी एमबीबीएस की छात्राओं के संपर्क में था और उन्हें दिल्ली स्थित एम्स में होने वाली एक कथित कॉन्फ्रेंस में ले जाने की तैयारी कर रहा था। इसके लिए

उसने फर्जी आमंत्रण पत्र जारी किए, जिन पर केजीएमयू के डीन के नकली हस्ताक्षर थे। इतना ही नहीं, उसने अपने व्हाट्सएप प्रोफाइल में भी डीन की

एमबीबीएस की छात्राओं को दिल्ली स्थित एम्स में होने वाली एक कथित कॉन्फ्रेंस में ले जाने की तैयारी कर रहा था आरोपी

तस्वीर लगाकर भरोसा जीतने की कोशिश की।

प्रशासन को शक होने पर जांच शुरू की गई। फर्जी पत्र और संदिग्ध गतिविधियों की पुष्टि होने के बाद आरोपी को जनरल सर्जरी विभाग के पास छात्रों की मदद से पकड़ लिया गया और पुलिस के हवाले कर दिया गया। पूछताछ में उसने कबूल किया कि वह केवल 12वीं तक पढ़ा है। आरोपी 'कॉर्डियो सेवा फाउंडेशन' नामक एक ट्रस्ट के जरिए छात्रों को जोड़ने का प्रयास करता था। वह उन्हें पुरस्कार, सम्मान और बेहतर करियर के झूठे सपने दिखाकर अपने प्रभाव में लेता था। कुछ छात्राएं उसके झांसे में भी आ गई थीं। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ धोखाधड़ी और जालसाजी की धाराओं में एफआईआर दर्ज की है। उसके मोबाइल फोन और कॉल डिटेल्स की जांच की जा रही है। साथ ही धर्मांतरण और अन्य मामलों में पहले से आरोपी रहे कुछ लोगों से उसके संबंधों की भी जांच हो रही है।

सार संक्षेप

पेड़ पर लटके मिले प्रेमी जोड़े के शव, जांच में जुटी पुलिस

यूनिक समय, नई दिल्ली। बिहार के पश्चिम चंपारण जिले के बगहा क्षेत्र में एक प्रेमी जोड़े का शव पेड़ से लटका मिला, जिससे इलाके में सनसनी फैल गई। घटना वार्ड नंबर 35 स्थित एक बगीचे की है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने दोनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मृतकों की पहचान शाहबुन नैश और असगर मिस्त्री के बेटे के रूप में हुई है। मामला प्रेम प्रसंग से जुड़ा बताया जा रहा है, पुलिस आत्महत्या या हत्या दोनों पहलुओं पर जांच कर रही है।

भतीजे के प्रेम में चाची ने खाया जहर, दोनों की हालत गंभीर

यूनिक समय, नई दिल्ली। बिहार के गोपालगंज जिले में रिश्तों को झकझोर देने वाला मामला सामने आया है। 25 वर्षीय महिला और उसके 17 वर्षीय भतीजे के बीच प्रेम संबंध होने पर परिवार ने विरोध किया। इसके बाद महिला ने जहर खा लिया और भतीजे ने भी आत्महत्या की कोशिश की। दोनों को गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती कराया गया है। बताया जा रहा है कि दोनों शादी करने की जिद पर अड़े हैं, जिससे परिवार और समाज में हलचल मच गई है।

नशे में कार चालक ने बाइक सवारों को रौंदा दो की मौत

यूनिक समय, नई दिल्ली। मध्य प्रदेश के जबलपुर में धनवंतरी नगर चौराहे पर तेज रफ्तार कार ने 3–4 बाइक सवारों को कुचल दिया। हादसे में दो लोगों की मौत हो गई, जबकि एक नाबालिग समेत चार लोग गंभीर रूप से घायल हैं। पुलिस के अनुसार आरोपी चालक शराब के नशे में था। उसे हिरासत में लेकर गैर इरादतन हत्या का केस दर्ज किया गया है। घायलों का अस्पताल में इलाज जारी है।

मालेगांव ब्लास्ट केस में सभी आरोपी बरी

यूनिक समय, नई दिल्ली। महाराष्ट्र के मालेगांव में 2006 के बम धमाके मामले में बॉम्बे हाई कोर्ट ने चारों आरोपियों को बरी कर दिया। कोर्ट ने लोकेश शर्मा, धन सिंह, राजेंद्र चौधरी और मनोहर नरवरिया को सबूतों के अभाव में निर्दोष माना। इस धमाके में 37 लोगों की मौत हुई थी। इससे पहले राष्ट्रीय जांच एजेंसी की विशेष अदालत भी 2008 मामले में आरोपियों को बरी कर चुकी है।

चंडीगढ़ में गैंगस्टर गोलू गोहाना घायल, मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार

यूनिक समय, नई दिल्ली। चंडीगढ़ पुलिस ने सेक्टर–25 क्षेत्र में मुठभेड़ के बाद कुख्यात बदमाश गोलू गोहाना को गिरफ्तार किया। पुलिस की जवाबी कार्रवाई में उसके पैर में गोली लगी। आरोपी पर हत्या, हत्या के प्रयास और आर्म्स एक्ट समेत कई गंभीर मामले दर्ज हैं। बताया गया कि वह अवैध हथियारों की सप्लाई करता था। फिलहाल उसे अस्पताल में भर्ती कर पूछताछ की जा रही है।

पहलगाम हमले की बरसी पर पीएम मोदी का संदेश

आतंकवाद के आगे नहीं झुकेगा भारत

यूनिक समय, नई दिल्ली। जम्मू–कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले की पहली बरसी पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शहीद हुए लोगों को श्रद्धांजलि अर्पित की और आतंकवाद के खिलाफ देश का दृढ़ संकल्प दोहराया। उन्होंने कहा कि इस हमले में जान गंवाने वाले निर्दोष नागरिकों को कभी भुलाया नहीं जा सकता और पूरा देश उनके परिवारों के साथ खड़ा है। प्रधानमंत्री ने सोशल मीडिया पर भावुक संदेश साझा करते हुए कहा कि यह घटना देश के लिए बेहद दुखद थी, लेकिन इससे भारत का हौसला कमजोर नहीं होगा। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि भारत आतंकवाद के किसी भी रूप के आगे कभी नहीं झुकेगा और

आतंकियों के नापाक मंसूबे कभी सफल नहीं होंगे। उन्होंने शोक संतप्त परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए कहा कि पूरा राष्ट्र इस दुख की घड़ी में एकजुट है। वहीं, सेना ने भी आतंकियों और उनके समर्थकों को कड़ा संदेश दिया है। सेना ने कहा कि भारत के खिलाफ किए गए हर कृत्य का जवाब दिया जाएगा और न्याय सुनिश्चित किया जाएगा। सेना की ओर से साझा किए गए संदेश में साफ कहा गया कि आतंकवाद के खिलाफ कार्रवाई जारी रहेगी और दोषियों को उनके अंजाम तक पहुंचाया जाएगा।

गौरतलब है कि पिछले वर्ष पहलगांव के बैसरन क्षेत्र में हुए इस आतंकी हमले ने पूरे देश को झकझोर दिया था। आतंकियों ने पर्यटकों को निशाना बनाते हुए कई निर्दोष लोगों की हत्या कर दी थी। इस घटना के बाद सुरक्षा बलों ने सख्त कार्रवाई करते हुए आतंकियों के खिलाफ अभियान चलाया और कई हमलावरों को ढेर किया। इस बरसी पर एक बार फिर देश ने उन सभी पीड़ितों को याद किया और आतंकवाद के खिलाफ अपनी एकजुटता और संकल्प को दोहराया।

अमेरिका–ईरान तनाव के बीच 'देश गरिमा' टैंकर सुरक्षित भारत पहुंचा

यूनिक समय, नई दिल्ली। अमेरिका और ईरान के बीच जारी तनाव के बीच भारत के लिए राहत भरी खबर सामने आई है। भारतीय क्रूड ऑयल टैंकर 'देश गरिमा' सफलतापूर्वक हॉर्मुज जलडमरूमध्य पार कर भारत पहुंच गया है। यह जहाज भारी मात्रा में कच्चा तेल लेकर आया है और फिलहाल मुंबई तट के पास समुद्र में एंकर पर खड़ा है।

बताया गया है कि यह टैंकर 18 अप्रैल को होर्मुज से रवाना हुआ था। रास्ते में तनावपूर्ण हालात के बावजूद जहाज ने अपनी यात्रा जारी रखी और सुरक्षित भारतीय जलसीमा तक पहुंच गया। इस जहाज पर 31 भारतीय नाविक सवार हैं, जिनकी सुरक्षित वापसी से भी राहत मिली है। इस टैंकर के पहुंचने से देश में ईंधन आपूर्ति को लेकर बनी चिंताओं में कमी आने की उम्मीद है।

गौरतलब है कि मार्च से खाड़ी क्षेत्र में बढ़ते तनाव के बीच हॉर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरने वाला यह 10वां भारतीय जहाज है। यह समुद्री

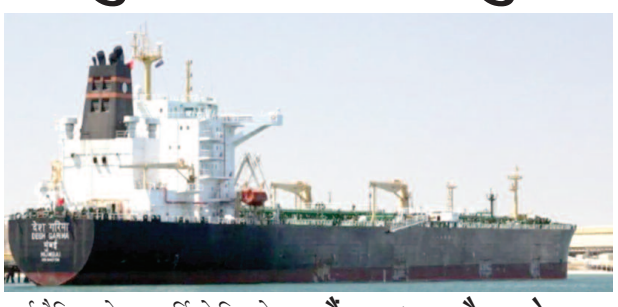

मार्ग वैश्विक तेल आपूर्ति के लिए बेहद अहम माना जाता है, ऐसे में यहां किसी भी तरह का तनाव सीधे ऊर्जा बाजार को प्रभावित करता है। इससे पहले भी कुछ भारतीय जहाजों को मुश्किलों का सामना करना पड़ा था।

आईआरजीसी द्वारा कथित फायरिंग की घटनाओं के बाद दो भारतीय जहाजों को वापस लौटना पड़ा था। इस पर भारत ने कड़ी आपत्ति जताई थी और अपने जहाजों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग की थी। भारत और ईरान के बीच लंबे समय से रणनीतिक और ऊर्जा संबंध रहे हैं। मौजूदा परिस्थितियों में भी दोनों देशों के बीच सहयोग बना

टैंकर 18 अप्रैल को होर्मुज से रवाना हुआ था

हुआ है। 'देश गरिमा' के सुरक्षित पहुंचने को इसी सहयोग और सावधानीपूर्ण नौवहन का परिणाम माना जा रहा है। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि क्षेत्र में तनाव जारी रहता है, तो भारत समेत कई देशों को अपनी ऊर्जा आपूर्ति को सुरक्षित रखने के लिए अतिरिक्त कदम उठाने होंगे। फिलहाल 'देश गरिमा' का सुरक्षित आगमन एक सकारात्मक संकेत के रूप में देखा जा रहा है।

एनआईए की बड़ी कार्रवाई

जेल में कट्टरपंथी नेटवर्क चलाने वाले सात दोषियों को सजा

यूनिक समय, नई दिल्ली। बेंगलुरु जेल में कट्टरपंथी नेटवर्क चलाने के मामले में एनआईए की जांच के आधार पर विशेष अदालत ने बड़ा फैसला सुनाया है। अदालत ने लश्कर–ए–तैबा से जुड़े मास्टरमाइंड टी. नसीर समेत कुल सात आरोपियों को दोषी ठहराते हुए सात–सात साल के कठोर कारावास और 48 हजार रुपये जुर्माने की सजा सुनाई है।

दोषियों में सैयद सुहैल खान, मोहम्मद उमर, जाहिद तबरेज, सैयद मुदस्सिर पाशा, मोहम्मद फैसल रब्बानी और सलमान खान शामिल हैं। इन सभी पर आईपीसी, गैरकानूनी गतिविधि (रोकथाम) अधिनियम, आर्म्स एक्ट और विस्फोटक पदार्थ अधिनियम के तहत कार्रवाई की गई है। सभी आरोपियों ने पहले ही जांच एजेंसी द्वारा लगाए गए आरोपों को स्वीकार कर लिया था।

जांच में सामने आया कि यह पूरा नेटवर्क बेंगलुरु की परप्पना अग्रहारा सेंट्रल जेल के भीतर संचालित हो रहा था। टी. नसीर, जो पहले से कई आतंकी मामलों में बंद था, जेल के अंदर अन्य कैदियों को कट्टरपंथ की ओर प्रभावित कर रहा था।

आरोपियों का मकसद कमजोर और भोले–भाले युवाओं को चिन्हित कर उन्हें भर्ती करना, प्रशिक्षण देना और आतंकी गतिविधियों के लिए तैयार करना था। इस साजिश के तहत धर्म परिवर्तन कराकर युवाओं को चरमपंथी विचारधारा से जोड़ने की भी कोशिश की जा रही थी। इसके जरिए देश में आतंकी हमलों को अंजाम देने की योजना बनाई गई थी। मामले की शुरुआत जुलाई 2023 में हुई थी, जब बेंगलुरु सेंट्रल क्राइम ब्रांच ने कुछ आरोपियों के पास से हथियार, गोला–बारूद और डिजिटल उपकरण बरामद किए थे। बाद में इस मामले को एनआईए ने अपने हाथ में लेकर विस्तृत जांच की, जिसमें एक बड़े आतंकी नेटवर्क का खुलासा हुआ। जांच में यह भी सामने आया कि आरोपी टी. नसीर को कोर्ट ले जाते समय फरार कराने की साजिश रची जा रही थी। मामले में एक आरोपी जुनैद अहमद अभी भी फरार है, जिसकी तलाश जारी है। वहीं, सलमान खान को अंतरराष्ट्रीय सहयोग के तहत रवांडा से प्रत्यर्पित कर गिरफ्तार किया गया था। एजेंसियां अब इस नेटवर्क से जुड़े अन्य संभावित लोगों की भी जांच कर रही हैं।

वैदिक मंत्रोच्चार के साथ खुले केदारनाथ मंदिर के कपाट, श्रद्धालुओं में उत्साह

यूनिक समय, नई दिल्ली। केदारनाथ मंदिर के कपाट आज सुबह पूरे विधि–विधान और वैदिक मंत्रोच्चार के साथ श्रद्धालुओं के लिए खोल दिए गए। सुबह 8 बजे जैसे ही द्वार खुले, बड़ी संख्या में मौजूद भक्तों ने 'हर–हर महादेव' के जयकारों के साथ दर्शन किए। मंदिर परिसर को करीब 51 क्विंटल फूलों से भव्य रूप से सजाया गया, जिससे पूरा वातावरण भक्तिमय हो उठा।

इस अवसर पर उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी भी मौजूद रहे। उन्होंने श्रद्धालुओं का स्वागत करते हुए कहा कि चारधाम यात्रा का शुभारंभ हो चुका है और भक्तों में जबरदस्त उत्साह देखने को मिल रहा है। उन्होंने बद्री–केदार मंदिर समिति द्वारा किए गए प्रबंधों की सराहना भी की। मुख्यमंत्री ने तीर्थयात्रियों से अपील की कि वे यात्रा के दौरान स्वच्छता का विशेष ध्यान रखें और प्लास्टिक का उपयोग न करें। उन्होंने

51 क्विंटल फूलों से सजाया गया मंदिर परिसर

कहा कि यह संदेश केवल केदारनाथ तक सीमित न रहकर पूरे देश में फैलना चाहिए। वहीं, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी कपाट खुलने पर देशवासियों को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि केदारनाथ और चारधाम यात्रा भारत की आस्था, एकता और समृद्ध सांस्कृतिक परंपराओं का प्रतीक है।

उन्होंने कामना की कि बाबा केदार की कृपा सभी श्रद्धालुओं पर बनी रहे। प्रशासन ने इस बार मंदिर परिसर में वीडियो–रील बनाने पर रोक लगाई है, ताकि धार्मिक गरिमा और व्यवस्था बनी रहे। श्रद्धालुओं से नियमों का पालन करने की अपील की गई है, जिससे यात्रा सुचारू और सुरक्षित ढंग से संपन्न हो सके।

ईरान युद्ध के बाद अमेरिकी मिसाइल भंडार घटा, पेंटागन ने मांगा बड़ा रक्षा बजट

यूनिक समय, नई दिल्ली। संयुक्त राज्य अमेरिका और ईरान के बीच हालिया संघर्ष का असर अब अमेरिकी सैन्य संसाधनों पर साफ दिखाई दे रहा है। रिपोर्ट्स के अनुसार, करीब सात हफ्तों तक चले युद्ध में अमेरिका के बैलिस्टिक मिसाइलों और गोला–बारूद का भंडार 45 से 50 फीसदी तक घट गया है। इस स्थिति को देखते हुए पेंटागन ने वर्ष 2027 के लिए बड़े रक्षा बजट की मांग की है।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, युद्ध के दौरान अमेरिका ने अपने प्रिसीजन स्ट्राइक मिसाइलों का बड़ा हिस्सा इस्तेमाल किया। इसके अलावा थाड और पैट्रियट एयर डिफेंस सिस्टम के इंटरसेप्टर मिसाइलों का भी भारी उपयोग हुआ। इन दोनों प्रणालियों का उपयोग बैलिस्टिक मिसाइलों के साथ–साथ ड्रोन हमलों को रोकने में भी किया गया, जिससे इनका स्टॉक तेजी से कम हुआ। पेंटागन ने स्वीकार किया है कि मौजूदा आयुध भंडार चिंताजनक स्तर तक घट गया है। इसी को ध्यान में रखते हुए 2027 के बजट में ड्रोन, एयर डिफेंस सिस्टम और फाइटर जेट्स पर बड़े पैमाने पर निवेश का प्रस्ताव रखा गया है। रक्षा खर्च को लगभग 1.5 ट्रिलियन डॉलर तक बढ़ाने की योजना पर भी काम किया जा रहा है। प्रस्तावित बजट में ड्रोन और संबंधित तकनीक पर खर्च को कई गुना बढ़ाने की बात कही गई है। साथ ही करीब 30 अरब डॉलर से अधिक राशि मिसाइल इंटरसेप्टर और अन्य महत्वपूर्ण हथियारों के लिए मांगी गई है।

ड्रोन युद्ध को भविष्य का अहम हिस्सा मानते हुए काउंटर–ड्रोन सिस्टम पर भी भारी निवेश की योजना बनाई गई है। इसके अलावा अमेरिकी सेना में लगभग 44,500 अतिरिक्त सैनिकों की भर्ती का प्रस्ताव भी शामिल है। नौसेना के लिए टॉमहॉक क्रूज मिसाइलों की संख्या में भी भारी बढ़ोतरी की योजना है। विशेषज्ञों का मानना है कि मौजूदा हालात में अमेरिका को अपने सैन्य भंडार को तेजी से पुनः भरने की आवश्यकता है, ताकि भविष्य में किसी भी बड़े संघर्ष का सामना किया जा सके।

दिल्ली में आईआरएस अधिकारी की बेटी की हत्या, पूर्व नौकर पर शक

यूनिक समय, नई दिल्ली। अमर कॉलोनी इलाके में 22 वर्षीय युवती की हत्या से सनसनी फैल गई। मृतका एक आईआरएस अधिकारी की बेटी थी और यूपीएससी की तैयारी कर रही थी। वारदात उस समय हुई जब उसके माता–पिता सुबह जिम गए हुए थे और वह घर में अकेली थी। पुलिस के अनुसार, युवती की हत्या मोबाइल चार्जर के तार से गला घोंटकर की गई। शुरुआती जांच में यौन उत्पीड़न की आशंका भी जताई जा रही है, हालांकि इसकी पुष्टि पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद ही होगी।

युवती से कथित गैंगरेप का सनसनीखेज आरोप

पुलिस ने बताया मामला संदिग्ध

यूनिक समय, आगरा। ताजनगरी में एक युवती के साथ दो अलग–अलग स्थानों पर कथित सामूहिक दुष्कर्म का मामला सामने आने से हड़कंप मच गया है। पीड़िता ने एक युवक और बाद में ऑटो सवार दो युवकों पर गैंगरेप का आरोप लगाया है। हालांकि पुलिस शुरुआती जांच में मामले को संदिग्ध मानते हुए सभी पहलुओं की गहन पड़ताल कर रही है।

जानकारी के अनुसार, उत्तराखंड के हरिद्वार निवासी युवती की फेसबुक के माध्यम से आगरा के दयालबाग निवासी एक युवक से दोस्ती हुई थी। बातचीत बढ़ने पर युवक ने उसे आगरा बुलाया। करीब 12 दिन पहले युवती आगरा पहुंची और आरोपी युवक से मिली। आरोप है कि युवक उसे भगवान टॉकीज क्षेत्र स्थित एक गेस्ट हाउस में ले गया, जहां उसे बंधक बनाकर कई दिन तक दुष्कर्म किया। युवती का कहना है कि आरोपी ने उससे कोर्ट मैरिज का झांसा भी दिया।

पीड़िता के अनुसार, मंगलवार की देर रात वह किसी तरह गेस्ट हाउस से भागने में सफल रही। इसके बाद सुरक्षित स्थान तक पहुंचने के लिए उसने ऑटो लिया, लेकिन रास्ते में ऑटो सवार दो युवकों ने उसे खंदौली क्षेत्र के अगरपुर गांव के पास ले जाकर कथित तौर पर उसके साथ सामूहिक दुष्कर्म किया और अर्धनग्न हालत में सड़क किनारे छोड़कर फरार हो गए। बुधवार तड़के करीब साढ़े चार बजे युवती अगरपुर स्थित एक आटा मिल के पास पहुंची और मदद के लिए शोर मचाया। आवाज सुनकर वहां मौजूद चौकीदार देवेंद्र सिंह बाहर आया और युवती की हालत देखकर उसे कपड़े उपलब्ध कराए। इसके बाद मिल मालिक कमलेश शर्मा को सूचना दी गई। मौके पर पहुंचे मिल मालिक ने तत्काल पुलिस कंट्रोल रूम (112) पर सूचना दी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और युवती को थाने ले जाकर पूछताछ की। घटना स्थल से महिला की चप्पल, कपड़े और शराब की बोतल बरामद हुई हैं। पुलिस आसपास के लोगों से भी पूछताछ कर रही है। डीसीपी पश्चिम आदित्य ने बताया कि शुरुआती जांच में मामला संदिग्ध प्रतीत हो रहा है। उन्होंने बताया कि युवती के बयान लगातार बदल रहे हैं। वह कभी आरोपी युवक को अपना पति तो कभी बॉयफ्रेंड बता रही है। साथ ही वह अपनी पहचान और निवास को लेकर भी अलग–अलग बातें कर रही है। पुलिस को यह भी जानकारी मिली है कि युवती पहले भी एक मामले में न्यू आगरा थाने में शिकायत कर चुकी है, जिसकी जांच की जा रही है।

पुलिस अधिकारियों का कहना है कि मामले की गंभीरता को देखते हुए विभिन्न टीमों को जांच में लगाया गया है। पीड़िता के बयान, मेडिकल परीक्षण और अन्य साक्ष्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। जल्द ही पूरे मामले का खुलासा किए जाने का दावा किया गया है।

धोखे से घर बुलाकर युवक को बनाया बंधक

जमकर की मारपीट, पुलिस ने युवक को किया बरामद

चार के खिलाफ पुलिस में दर्ज कराई रिपोर्ट

यूनिक समय, सुरीर। कोतवाली क्षेत्र के गांव हरनौल में दो दिन तक एक युवक को बंधक बनाकर उसके साथ की गई मारपीट के मामले में चार लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई गई है। बंधक बनाए युवक को पुलिस ने घायलावस्था में घर से बरामद किया है।

अलीगढ़ के गांव नयाबास निवासी मनवीर सिंह ने दर्ज कराई रिपोर्ट में कहा है कि थाना खैर के गांव फतेहगढ़ी निवासी प्रेमवीर ने उससे फाइनेंस की किस्त जमा करने की कहकर बाइक निकलवाई थी, लेकिन उसने बाइक की काफी समय तक किस्त जमा नहीं की। इस पर फायनेंस वाले बाइक को ले गए। इस पर प्रेमवीर बाइक की किस्त जमा करने की बात कहकर अपने साथियों के साथ गांव हरनौल ले आया। जहां पर दो दिन तक इन लोगों ने कमरे में बंधक बनाकर रखा और मारपीट करते रहे। युवक के साथ हो रही मारपीट से निकल रही चीख पुकार सुन कर ग्रामीणों ने पुलिस को सूचना दी थी। इस सूचना पर रविवार की रात साढ़े नौ बजे पुलिस हरनौल पहुंची तो आरोपी ताला बंद कर फरार हो गए। पुलिस पड़ोसियों के घरों से होकर जब घर के अंदर पहुंची तो वहां युवक घायल अवस्था में पड़ा मिला। पुलिस का कहना है कि घायल की तहरीर पर प्रेमवीर व उसकी पत्नी तथा उसके साले, और उसके दोस्त के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की गई है। पुलिस अभियुक्तों की गिरफ्तारी के प्रयास कर रही है।

बाजार में बिक रहे हैं जहरीले रसायनों से पके फल

प्रमुख संवाददाता

जहरीले रसायनों के खिलाफ अब राज्यों के फूड सेफ्टी अफसर मंडियों और गोदामों में करेंगे छापेमारी

यूनिक समय, मथुरा। सावधान! यदि आप बाजार से आम, केला या पपीता खरीद रहे हैं तो यह खबर आपके लिए महत्वपूर्ण है। भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण ने फलों को कृत्रिम रूप से पकाने के लिए इस्तेमाल होने वाले कैल्शियम कार्बाइड जैसे रसायनों के खिलाफ देशव्यापी अलर्ट जारी किया है। प्राधिकरण ने स्पष्ट किया है कि ऐसे प्रतिबंधित केमिकल्स का उपयोग पूरी तरह गैरकानूनी है, क्योंकि इनसे कैंसर, उल्टी और त्वचा रोगों जैसी बीमारियां हो सकती हैं। आदेश के मुताबिक, अब राज्यों के फूड सेफ्टी अफसर मंडियों और गोदामों में छापेमारी करेंगे और उल्लंघन करने वालों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। जांच के लिए विशेष 'टेस्ट पेपर' तकनीक का इस्तेमाल होगा ताकि रसायनों की मिलावट का सटीकता से पता चल सके। यह कदम जनता की सेहत की रक्षा के लिए एक पहल है ताकि बाजार में फल नहीं, बल्कि शुद्धता बिके।

गौरतलब है कि मथुरा में इस समय केला, पपीता और आम को कैल्शियम कार्बाइड जैसे रसायनों से पकाकर बेचा जा रहा है। केला को खरीदकर ले जाइए तो वह दो दिन में ही काला पड़ने लगता है। इसी तरह अब गर्मी में सबसे अधिक आम की बिक्री होगी। आम को पकाने के लिए भी जिले भर में जहरीले रसायनों का इस्तेमाल किया जायेगा। यही फल सेहत को अच्छा बनाने की बजाय खराब कर रहे हैं। जहरीले रसायनों से पकने वाले फलों को खाने से कई रोग लोगों के शरीर में फैल रहे हैं।

नगर निगम में कर्मचारियों के लिए कौशल विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम

कार्यशाला का शुभारंभ करते नगर आयुक्त जगप्रवेश एवं अन्य अधिकारीगण।

यूनिक समय, मथुरा। नगर निगम मथुरा–वृंदावन के भूतेश्वर स्थित सदन कक्ष में बुधवार को कर्मचारियों की कार्यक्षमता बढ़ाने के उद्देश्य से एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम हैदराबाद स्थित अर्बन डेवलपमेंट रिसर्च एंड ट्रेनिंग इंस्टिट्यूट के सहयोग से कर्मचारी क्षमता निर्माण एवं कौशल विकास रणनीतियां विषय पर आयोजित किया गया। कार्यक्रम में संस्थान के निदेशक प्रोफेसर नरसिंग राव प्यारासानी तथा इंजीनियर ए. कृष्णा ने नगर निगम के अधिकारियों और कर्मचारियों को प्रशिक्षण दिया। उन्होंने नगर निगम की कार्यप्रणाली को मजबूत बनाने, राजस्व बढ़ाने और जल आपूर्ति व अनुरक्षण व्यवस्था में सुधार के लिए विस्तार से जानकारी दी और व्यावहारिक सुझाव साझा किए।

सत्र में कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ, जिसमें विशेषज्ञों ने नगर निगम की कार्य प्रणाली को अधिक प्रभावी बनाने के उपायों पर प्रस्तुतीकरण दिया। इसके बाद विभिन्न तकनीकी सत्र आयोजित

कार्यप्रणाली सुधार, राजस्व वृद्धि और जल व्यवस्था बेहतर बनाने पर दिया जोर

किए गए, जिनमें कर्मचारियों को नई कार्यशैली, आधुनिक रणनीतियां और कार्य दक्षता बढ़ाने के तरीकों के बारे में बताया गया। अधिकारियों और कर्मचारियों ने अपने अनुभव साझा किए और कार्य में आने वाली समस्याओं के समाधान के लिए विशेषज्ञों से सुझाव प्राप्त किए। नगर आयुक्त जग प्रवेश सहित नगर निगम के विभिन्न विभागों के अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित रहे। वहीं संस्थान के सेक्रेटरी वेणुगोपाल राव और लायजन अधिकारी पी. साई किरण ने कार्यक्रम के सफल संचालन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। नगर आयुक्त ने कहा कि इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य नगर निगम की सेवाओं को अधिक प्रभावी, पारदर्शी और जनहितकारी बनेगी तथा कर्मचारियों की कार्यकुशलता और क्षमता में वृद्धि हुई है।

प्रतिबंधित पॉलीथिन पर कार्रवाई 30 किलो जब्त, 30 हजार जुर्माना

सहायक नगर आयुक्त कल्पना सिंह चौहान पॉलीथिन पर कार्रवाई करती हुईं।

यूनिक समय, मथुरा। नगर निगम मथुरा–वृंदावन ने प्रतिबंधित सिंगल यूज प्लास्टिक के खिलाफ चलाए जा रहे सघन अभियान के तहत बुधवार को बड़ी कार्रवाई करते हुए करीब 30 किलो पॉलीथिन जब्त की और 30 हजार रुपये का जुर्माना वसूला। यह कार्रवाई लक्ष्मी नगर, यमुनापार क्षेत्र में की गई, जहां एक ऑटो के जरिए अवैध रूप से पॉलीथिन का परिवहन किया जा रहा था।

नगर आयुक्त जग प्रवेश के निर्देश पर चलाए जा रहे इस अभियान का उद्देश्य शहर को स्वच्छ, प्रदूषण मुक्त और प्लास्टिक मुक्त बनाना है। साथ ही लोगों को जागरूक कर कपड़े और कागज जैसे पर्यावरण अनुकूल विकल्प अपनाने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। अभियान के दौरान नगर निगम की टीम ने सघन चेकिंग करते हुए एक संदिग्ध ऑटो को रोका। जांच में उसमें बड़ी मात्रा में प्रतिबंधित पॉलीथिन पाई गई। टीम ने तत्काल कार्रवाई करते हुए करीब 30 किलोग्राम प्लास्टिक जब्त

यमुनापार क्षेत्र में ऑटो से हो रहा था अवैध परिवहन, नगर निगम का सघन अभियान जारी

कर लिया और मौके पर ही 30 हजार रुपये का अर्थदंड वसूल किया।

यह पूरी कार्रवाई नगर निगम की अधिकारी कल्पना सिंह चौहान के नेतृत्व में संपन्न हुई। अभियान में ईटीएफ टीम के साथ टीम लीडर विजय वीर सिंह, राजेश कुमार तथा नगर निगम के अन्य कर्मचारी सक्रिय रूप से मौजूद रहे।

नगर निगम ने सभी व्यापारियों, दुकानदारों और नागरिकों से अपील की है कि वे प्रतिबंधित पॉलिथीन का उपयोग पूरी तरह बंद करें। चेतावनी देते हुए कहा कि यदि भविष्य में यदि कोई भी व्यक्ति प्रतिबंधित प्लास्टिक का उपयोग या भंडारण करते पाया गया, तो उसके खिलाफ और कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

मुख्यमंत्री के प्रस्तावित निरीक्षण को लेकर शिक्षा विभाग अलर्ट मोड़ पर

स्कूलों में तैयारियों के सख्त निर्देश

सिटी रिपोर्टर

यूनिक समय, लखनऊ / मथुरा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के संभावित जनपद भ्रमण और विद्यालयों के निरीक्षण को लेकर शिक्षा विभाग पूरी तरह सतर्क हो गया है। अपर मुख्य सचिव, बेसिक एवं माध्यमिक पार्थ सारथी सेन शर्मा शिक्षा विभाग द्वारा प्रदेश के सभी मंडलीय एवं जिला स्तरीय शिक्षा अधिकारियों को तत्काल तैयारी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं।

जानकारी के अनुसार मुख्यमंत्री के निरीक्षण के दौरान राजकीय इंटर कॉलेज, उच्च प्राथमिक विद्यालय और प्राथमिक विद्यालयों का आकस्मिक निरीक्षण किया जा सकता है। इसमें शिक्षा की गुणवत्ता, छात्र–छात्राओं की उपस्थिति, शिक्षकों की समयबद्धता, विद्यालय भवनों की स्थिति और प्रयोगशालाओं की कार्यशीलता का विशेष मूल्यांकन किया जाएगा।

इसके अलावा छात्रों के लर्निंग लेवल, परीक्षा परिणाम, खेलकूद गतिविधियों, क्विज और अन्य सह–पाठ्यक्रम कार्यक्रमों पर भी फोकस

किसी भी जनपद का हो सकता है निरीक्षण

रहेगा। विद्यालयों में स्वच्छता, शौचालय, पेयजल व्यवस्था और सुरक्षा उपायों की स्थिति को भी बारीकी से परखा जाएगा। इसके अलावा शिक्षकों एवं कर्मचारियों की कार्यशैली, व्यवहार, उपस्थिति और योगदान का भी आकलन किया जाएगा। साथ ही सभी अधिकारियों को निर्देशित किया गया है कि किसी भी स्तर पर लापरवाही न हो और व्यवस्थाएं पूरी तरह दुरुस्त रखी जाएं।

अपर मुख्य सचिव ने सभी संबंधित अधिकारियों से कहा है कि वे समय रहते तैयारी पूर्ण करें, ताकि निरीक्षण के दौरान कोई कमी उजागर न हो। यह भी कहा गया है कि विभागीय कार्यों की वास्तविक स्थिति ही प्रस्तुत की जाए, न कि केवल दिखावे की तैयारी। इस आदेश के बाद मथुरा समेत प्रदेश के विभिन्न जिलों में शिक्षा विभाग हरकत में आ गया है और विद्यालय स्तर पर व्यवस्थाओं को सुधारने की कवायद तेज कर दी गई है।

खेत पर जाते युवक को रोक कर की मारपीट

जातिसूचक शब्दों का प्रयोग कर सरिया से फोड़ा सिर

यूनिक समय, सुरीर। कोतवाली क्षेत्र के गांव बृर्जी नगरिया में खेत पर जाते एक युवक के साथ गांव के एक अन्य युवक द्वारा गाली गलौज करते हुए मारपीट व जाति सूचक शब्दों का प्रयोग करने के मामले में रिपोर्ट दर्ज कराई गई है। गांव बृर्जी नगरिया निवासी राजेश ने दर्ज कराई रिपोर्ट में कहा है कि 20 अप्रैल को वह अपने खेत पर जा रहा था। तभी रास्ते में गांव के मुकेश ने उसे रास्ते में रोक लिया और रुपये मांगने लगा, जब मैंने कहा कि किस बात के रुपये दूं। इस पर उसने जाति सूचक शब्दों का प्रयोग कर हुए गाली–गलौज की। विरोध करने पर लोहे की सरिया से सिर पर वार किया जिससे वह बुरी तरह से घायल हो गया। सुरीर पुलिस का कहना है कि तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर जांच की जा रही है।